संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 112
पृष्ठ 8
गुरुवार
09 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ठंडे दिनों के लिए एकदम....

विचार- शीश महल बनाम...

खेल- चैम्पियन ट्रॉफीः गौतम.....

मुख्यमंत्री ने युवाओं को दिया मंत्र- जीवन में संवाद महत्वपूर्ण

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को संवाद में माहिर होने का मंत्र दिया। बोले कि सार्वजनिक जीवन में संवाद की कला अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजनेता वही सफल हो सकता है, जिसमें संवाद की कला हो। यदि वह संवाद में माहिर नहीं है तो सफल राजनेता नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देखना होगा, हम जिस भी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, उसमें युवाओं की क्या भूमिका होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 28वें युवा उत्सव-2025 में उत्तर प्रदेश के प्रतिभागी दल को बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह उत्सव 10 से 12 जनवरी तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होगा।

- मुख्यमंत्री ने 28वें युवा उत्सव-2025 में उत्तर प्रदेश के प्रतिभागी दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- उत्तर प्रदेश की अमिट छाप को छोड़ने में सफल होंगे युवा : मुख्यमंत्री
- विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में परम्परागत छात्रसंघ की बजाय युवा संसद को करना चाहिए प्रमोट : सीएम योगी

युवा संसद को करना चाहिए प्रमोटः मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में परम्परागत छात्रसंघ की बजाय युवा संसद को प्रमोट करना चाहिए, जिससे नई पीढ़ी को आगे बढ़ा सकें। नेतृत्व का गुण, समाज और अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के प्रति संवेदना होनी चाहिए। कोई भी राजनेता, प्रशासन, पुलिस अधिकारी, अन्नदाता किसान, प्रगतिशील किसान, युवा उद्यमी समेत किसी भी क्षेत्र में कार्य करे, लेकिन उसके मन में राष्ट्रीयता, मातृभूमि के लिए प्यार, जनता व नागरिकों के प्रति संवेदना नहीं है तो उसकी प्रगति का कोई मायने नहीं है।

युवाओं को पूरे देश को जानने का प्राप्त होगा अवसर : मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 जनवरी की तिथि युवा उत्सव के रूप में आती है, क्योंकि यह युवा ऊर्जा के धनी व वैश्विक पटल पर भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व युवा शक्ति को पहचान दिलाने वाले स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती है। पीएम मोदी की प्रेरणा से पिछले कई वर्षों से युवा उत्सव का कार्यक्रम दिल्ली में होता है। इसमें अनेक कार्यक्रमों में भागीदार बनकर युवाओं को पूरे देश को जानने-सीखने का अवसर प्राप्त होता है। इस वर्ष प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री का सानिध्य व संवाद का क्षण भी प्राप्त होगा।

उत्तर प्रदेश के विकास व विरासत की यात्रा में युवा भी बने हैं सहभागी : मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सामने कुछ लक्ष्य रखे थे। इसमें विकसित भारत भी था। विकसित भारत में युवाओं की ऊर्जा कैसे सहायक हो सकती है। सीएम ने युवाओं से कहा कि 22/23 साल बाद जब देश शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब आप भी अलग-अलग क्षेत्र में कार्य कर रहे होंगे। तब ध्यान रखना होगा कि उस समय कैसा भारत चाहिए, उस भारत के निर्माण की कार्ययोजना में कौन कौन से पहलू होंगे। जिन्हें हम आगे बढ़ाकर लेकर चल सकते हैं। विकसित भारत में युवाओं की भी क्या भूमिका होगी, इसे भी हमें देखना होगा। सीएम ने कहा 63 युवा उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करके राष्ट्रीय महोत्सव का हिस्सा बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश के विकास व विरासत की इस यात्रा में युवा भी सहभागी बने हैं।

सात-आठ वर्ष में बढ़ी है उप्र के विकास की यात्रा : सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले सात-आठ वर्ष में विकास की यात्रा को तेजी से आगे बढ़ाया है। 10 वर्ष पहले लोग खुद को उत्तर प्रदेश का वासी कहने में संकोच करते थे। यहां सुरक्षा नहीं, बल्कि दंगा, अराजकता व गुंडागर्दी थी। उप्र आबादी में नम्बर एक लेकिन विकास के पायदान पर पीछे था,अर्थव्यवस्था में छठवें-सातवें पायदान पर था। उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में पिछड़ा था, लेकिन सात-आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्यों में खड़ा है। इसके पीछे की सफलतम कहानी को जिन्होंने नजदीक से देखा है, वे वर्तमान व भावी पीढ़ी को अवगत कराएं, जिससे उन्हें भी प्रगति के सही मानक की जानकारी हो सकेगी।

उत्तर प्रदेश की अमिट छाप को छोड़ने में सफल होंगे युवा : मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि युवा उत्तर प्रदेश की अमिट छाप को छोड़ने में सफल होंगे। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट की प्राचीन विधा (जो कौशल विकास का अद्भुत उदाहरण था) उसे भी प्रस्तुत करने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि स्किल डेवलपमेंट वह नहीं है, जो केवल आज हम देख रहे हैं, स्किल डेवलपमेंट वह भी था, जिसने कभी मुरादाबाद को ब्रास, अलीगढ़ को हार्डवेयर, फिरोजाबाद को ग्लास, लखनऊ को चिकन कारी, मेरठ को स्पोर्ट्स आइटम, भदोही की कालीन, सहारनपुर को वुडन वर्क, वाराणसी के रेशम वस्त्र को मौका दिया। ये सभी प्राचीन विरासत के प्रतीक हैं, जिसे सरकार वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के रूप में प्रमोट कर रही है। कौशल विकास की इस विधा को हम विरासत के रूप में आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर खेल व युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव, महापौर सुषमा खर्क्वाल, विधायक डॉ. नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, अमरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

मोदी के नेतृत्व में उठाए गए कदम प्रगति को बढ़ावा देने में मददगार : जयशंकर

भुवनेश्वर, संवाददाता। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जो देश की प्रगति को बढ़ावा देने में मदद कर रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी पढ़ाओ अभियान, आवास योजना, अन्न योजना, मुद्रा योजना, स्वनिधि योजना, आयुष्मान भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डा. जयशंकर बुधवार को यहां शुरु हुए तीन दिवसीय 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा,"उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत और नवाचार के जरिए देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। यह समय है जब युवा अपने अनुभव साझा करें, दूसरों को प्रेरित करें और एक नई सोच के साथ समाज के लिए नए मॉडल प्रस्तुत करें।" प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने उद्घाटन भाषण दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि नए भारत के निर्माण की दिशा में कदम ,भारत, एक ऐसा देश जो अपनी सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिकता के अद्भुत संगम के लिए जाना जाता है। आज का युवा वर्ग न केवल भारत के भविष्य का निर्माण कर रहा है बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी काबिलियत का लोहा मनवा रहा है। चंद्रयान-4 की सफलता, यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति, स्वच्छ भारत अभियान और 90,000 से अधिक स्टार्टअप्स का उदय यह दर्शाता है कि युवा भारत नवाचार तथा प्रगति की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा कहा है कि विकास के लिए दो पैरों की आवश्यकता है - एक आत्मनिर्भरता और दूसरा सामूहिक प्रयास। हमारे देश में मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने न केवल युवाओं को स्वावलंबी बनने का अवसर दिया है बल्कि उन्हें अपने सपनों को साकार करने की शक्ति भी दी है। भारत के प्रतिभाशाली युवाओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जिससे हमारा देश विश्व में गर्व से खड़ा है। डा. जयशंकर ने कहा,"तू चलता है, बदल सकता है,' यह विचार दर्शाता है कि यदि युवा अपने प्रयासों में निरंतरता रखें तो वे बदलाव की शुरुआत कर सकते हैं। अवसर और अनुभव साझा करने का यह समय है। आज का युवा न केवल तकनीकी क्षेत्र में बल्कि सामाजिक सुधार, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता में भी योगदान दे सकता है।" उन्होंने कहा कि 'भारत को जानिए' यह नारा युवाओं को अपने देश की गहराइयों को समझने और इसे बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। स्वच्छ भारत अभियान हो या मुद्रा योजना, हर प्रयास का उद्देश्य देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है। डा. जयशंकर ने कहा,"आज के भारत को तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में अपनी जगह बनानी है। यह तभी संभव है जब युवा अपनी क्षमताओं का उपयोग करके नई सोच और दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें। नए समाज के लिए नए मॉडल की आवश्यकता है, और यह केवल युवा ही कर सकते हैं। आइए, मिलकर भारत को एक नई ऊंचाई पर ले जाएं।"

सरकार की गलत नीतियों से अर्थव्यवस्था के विकास का हर घटक हुआ कमजोर : कांग्रेस

नयी दिल्ली, संवाददाता। कांग्रेस ने कहा है कि निवेश घट रहा है, सामूहिक खपत में स्थिरता आ गई है, विनिर्माण क्षेत्र की गति धीमी पड़ गई है जिसके कारण अर्थव्यवस्था लगातार गिर रही है और विकास की गति सरकार के अनुमान से भी निचले स्तर पर पहुंच गई है लेकिन सरकार हालात में सुधार के लिए कदम नहीं उठा रही है। कांग्रेस ने देश की अर्थव्यवस्था को लेकर यहां जारी बयान में आज कहा कि सरकार के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में जीडीपी में 6.4 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान है जो चार साल के निचले स्तर पर है। वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी में 8.2 प्रतिशत के ग्रोथ थी। यह रिज़र्व बैंक के हालिया 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जो सरकार के 7.2 प्रतिशत से भी कम है। विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विनिर्माण क्षेत्र उस तरह से नहीं बढ़ रहा है जिस तरह से उसे बढ़ना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले दस वर्षों में, उपभोग कहानी रिवर्स स्विंग में है जो अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी समस्या बनकर उभरी है। इस वर्ष की दूसरी तिमाही के आंकड़ों में निजी अंतिम उपभोग व्यय-पीएफसीई ग्रोथ पिछली तिमाही के 7.4 प्रतिशत से धीमा होकर 6 प्रतिशत रह गया। कारों की बिक्री चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। इसी तरह से सुस्त निजी निवेश धीमा होकर 6.4 प्रतिशत हो जाएगा जो पिछले वर्ष 9 प्रतिशत था। यह आंकड़ा निवेश में निजी क्षेत्र की अनिच्छा की वास्तविकता को दिखाता है।

ममता ने बंगाल के किसानों के लिए 350 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को 'बांगला शस्य बीमा' योजना के तहत लगभग नौ लाख किसानों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए 350 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की। सुश्री बनर्जी ने कहा, "मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि श्बांगला शस्य बीमाश योजना के तहत, अब हम नौ लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 350 करोड़ रुपये जारी कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि यह सहायता उन सभी किसानों को प्रदान की जा रही है जिनकी फसलें खरीफ सीजन के दौरान प्रतिकूल मौसम के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा, "हमारे किसानों को फसल बीमा के लिए कोई पैसा नहीं देना पड़ता है, क्योंकि हमारी राज्य सरकार आलू और गन्ने सहित सभी फसलों के लिए संपूर्ण बीमा प्रीमियम का भुगतान करती है।"

भारत और मालदीव ने समुद्री सुरक्षा साझेदारी बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और मालदीव ने व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी की दिशा में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने बुधवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की व्यापक समीक्षा की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-मालदीव व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए संयुक्त दृष्टिकोण को साकार करने में मिलकर काम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति तथा सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) के दृष्टिकोण के अनुरूप, अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रक्षा प्लेटफार्मों और परिसंपत्तियों के प्रावधान सहित रक्षा तैयारियों में क्षमता वृद्धि में मालदीव का समर्थन करने के लिए भारत की तत्परता की पुष्टि की। श्री मौमून ने मालदीव के लिए जरूरत के समय 'प्रथम प्रतिक्रिया' के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की और रक्षा एवं सुरक्षा कर्मियों की आधुनिक अवसंरचना क्षमताओं तथा प्रशिक्षण को बढ़ाने में माले की सहायता के लिए भारत को धन्यवाद दिया। मालदीव सरकार के अनुरोध पर भारत ने मालदीव को रक्षा उपकरण और सैन्य साजो सामान दिया। मालदीव के रक्षा मंत्री भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह यात्रा दोनों पक्षों के बीच निरंतर उच्च-स्तरीय संपर्कों का हिस्सा है। इस यात्रा से दोनों देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय रक्षा तथा सुरक्षा संबंधों को अधिक मजबूत करने का अवसर मिला है।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025(रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता-'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

हास्यास्पद, उन्होंने कभी अपने गालों के... रमेश बिधूड़ी पर प्रियंका गांधी ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। रमेश बिधूड़ी द्वारा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के कुछ दिनों बाद, उन्होंने बुधवार को अपनी पहली टिप्पणी की। उन्होंने इस टिप्पणी को हास्यास्पद बताया और कहा कि चुनाव के समय दिल्ली की जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, श्यह एक हास्यास्पद टिप्पणी

है। उन्होंने कभी अपने गालों के बारे में बात नहीं की। ये सब अनावश्यक है। चुनाव के दौरान हमें दिल्ली की जनता के अहम मुद्दों पर बात करनी चाहिए. उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से बाहर निकलते समय यह बात कही। कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी रमेश बिधुड़ी एक बार फिर विवादों में आ गए थे। उन्होंने कथित रूप से कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद वह क्षेत्र की सड़कों को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के 'गाल' जैसी बना देंगे।

संगम की रेती पर सनातन का शक्तिप्रदर्शन आज, तीन अखाड़े छावनी प्रवेश में दिखाएंगे संस्कृति की शक्ति

प्रयागराज। बसावट से पहले अखाड़े के संतों में मारपीट और गुटबाजी के बाद छावनी प्रवेश में पहली बार वैष्णव परंपरा की तीनों अनियों के अखाड़े एक साथ तलवार–भाला और अन्य अस्त्र–शस्त्र के साथ निकलेंगे। तीनों अखाड़ों की सामूहिक छावनी प्रवेश शोभायात्रा बुधवार को केपी इंटर कॉलेज परिसर से निकलेगी। इस छावनी प्रवेश शोभायात्रा की नेतृत्व श्रीपंच रामानंदी निर्मोही अनि अखाड़े के अध्यक्ष श्री महंत राजेंद्र दास कर रहे हैं। करीब डेढ़ महीने पहले भूमि निरीक्षण के दौरान मेला कार्यालय में आगे बैठने के विवाद में राजेंद्र दास के साथ मारपीट हो गई थी। इस मामले में राजेंद्र दास जूना और निरंजनी के संतों पर हमले का आरोप लगा चुके हैं। तब निर्मोही अखाड़े के अध्यक्ष राजेंद्र दास खुद पर जानलेवा हमले की शिकायत सीएम और डीजीपी से की थी। इसे देखते हुए पहली बार तीनों अनि अखाड़े एक साथ छावनी प्रवेश में एकजुटता का शक्ति प्रदर्शन करेंगे। ऐसे में तीनों अनि अखाड़ों की एक साथ छावनी प्रवेश शोभायात्रा को लेकर मेला प्रशासन सजग हो गया है। हाकुंभ की संस्कृति को विश्व का सबसे महानतम संस्कृति बताने वाले निर्वाणी अनि अखाड़े के सचिव श्रीमहंत मुरली दास बताते हैं कि तीनों अखाड़े पहली बार एक साथ छावनी प्रवेश में निकलेंगे। वैष्णव परंपरा के संतों के छावनी प्रवेश में सनातन का वैभव दिखेगा। तीनों वैष्णव अनि अखाड़े निर्मोही, निर्वाणी और दिगंबर परंपरा वाले संतों की छावनी प्रवेश शोभायात्रा केपी इंटर कॉलेज से दिन के 11रू30 बजे आरंभ होगी। नगर भ्रमण करते हुए शोभायात्रा काली मार्ग की दक्षिणी पटरी पर स्थित महाकुंभ की छावनी में प्रवेश करेगी। इस छावनी प्रवेश शोभायात्रा में ऊंट,घोड़े रथ, बग्घियां, बैंड बाजे और सुंदर झांकियां दिव्यता और भव्यता का उदाहरण बनेंगी। तैयारी बैठक में निर्मोही अनि अखाड़े में छावनी प्रवेश की तैयारी बैठक में श्रीमहंत राजेंद्र दास, श्रीमहंत मुरली दास, रमेश दास, महंत राजेश दास,महेंद्र शिव कुमार दास, महंत भानु पाल दास, महंत गोपाल दास आदि मौजूद थे।

बेदखली का मनमाना आदेश देने वाले तहसीलदार पर कार्रवाई की जानकारी दे सरकार

इलाहाबाद । हाईकोर्ट ने बेदखली का मनमाना आदेश देने वाले आजमगढ़ के सदर तहसीलदार अनिल कुमार पाठक के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी सरकार से मांगी है। साथ ही स्टे को अगली तारीख तक बढ़ा दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की पीठ ने अनिल कुमार, सुहेल व नन्हे की याचिका पर दिया। आजमगढ़ की सदर तहसील के दाउदपुर गांव निवासी याचियों के खिलाफ तहसीलदार ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर मकान बनाने के मामले में हर्जाना लगाते हुए 17 जुलाई 2021 को बेदखली आदेश जारी कर दिया। इस दौरान आपत्तियां दर्ज करने का समय नहीं दिया गया और कहा कि साक्ष्य की जरूरत नहीं है। 19 सितंबर 2024 को अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) ने भी अपील भी खारिज कर दी। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के वकील ने दलील दी कि यूपी राजस्व संहिता के प्रावधानों का पालन किए बगैर विवादित आदेश पारित किया गया है। इसे रद्द किया जाना चाहिए। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद आपत्तियां दर्ज करने का समय न देने और साक्ष्य की जरूरत नहीं है कहने को गंभीरता से लिया। प्रमुख सचिव (राजस्व) को तहसीलदार की कार्यप्रणाली पर जवाब मांगा था। प्रमुख सचिव राजस्व विभाग ने हलफनामा दायर कर बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद तहसीलदार अनिल कुमार पाठक के खिलाफ उचित विभागीय कार्यवाही के लिए नियुक्ति प्राधिकारी, राजस्व बोर्ड, लखनऊ को पत्र भेजा गया है।

मेला क्षेत्र के आसपास 35 पार्किंग, खड़े हो सकेंगे दो लाख वाहन

प्रयागराज। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शहरी क्षेत्र के बाहर बनाए गए पार्किंग स्थलों के अलावा मेला क्षेत्र के आसपास भी 35 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। इनमें लगभग दो लाख वाहन एक साथ खड़े हो सकेंगे। मेला क्षेत्र के आसपास के पार्किंग स्थलों को तीन जोन परेड, अरैल व झूंसी में बांटा गया है। यह पार्किंग स्थल मेला क्षेत्र से लगभग सटे हुए हैं जो अधिकतम एक किमी की दूरी पर स्थित हैं। हालांकि इन पार्किंगों के भरने के बाद श्रद्धालुओं के वाहनों को शहरी सीमा से बाहर बनाए गए पार्किंग स्थलों पर ही रोका जाएगा। एक खास बात यह है कि मुख्य स्नान पर्वों पर बाहर से आने वाले वाहनों को मेला क्षेत्र के आसपास की पार्किंगों तक आने की भी अनुमति नहीं होगी। तीन जोन में सबसे ज्यादा पार्किंग स्थल अरैल में होंगे जहां 15 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। इसके बाद परेड में 13 और झूंसी में सात पार्किंगस्थल विकसित किए गए हैं। मेला क्षेत्र के आसपास का कुल 701 हेक्टेयर क्षेत्रफल पार्किंग स्थल के रूप में विकसित किया गया है। इनमें से 17 सैटेलाइट पार्किंग होंगी जहां फूड कोर्ट, टॉयलेट, डिजिटल साइनेज समेत अन्य व्यवस्थाएं भी होंगी।

मिलावटी तेल बेचने के आरोप में कानूनी जंग, 29 साल बाद आरोपी बरी

प्रयागराज।। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर मुहर लगाने वाले अधिकारियों की लचर कार्यशैली से मिलावटखोरी के आरोप में एक तेल व्यापारी को 29 साल कानूनी जंग लड़नी पड़ी। हालांकि, अभियोजन की विफलता के चलते जिला अदालत ने उसे बरी कर दिया। यह आदेश अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीक्षा श्री की अदालत ने दिया। 1996 में प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र के मामा–भांजा तालाब निवासी केशव लाल कुशवाहा के खिलाफ खाद्य निरीक्षक केपी गुप्ता ने मिलावटखोरी का मुकदमा दर्ज कराया। आरोप लगाया कि वह मिलावटी तेल बेचता है। छापे के दौरान खाद्य विभाग की टीम ने नमूना लिया। 1997 में मामला जिला अदालत में पहुंचा और ट्रायल शुरू हुआ। करीब 29 साल चले ट्रायल के दौरान जिरह में वादी मुकदमा खाद्य निरीक्षक केपी गुप्ता ने स्वीकार किया कि नमूना उन्होंने खुद नहीं लिया था। वहीं, स्वतंत्र गवाह अनिल कुमार को अभियोजन के पेश नहीं कर सका। अदालत में आरोपी ने खुद को अनपढ़ बता अगूंठा लगाया, जबकि अभियोजन की ओर से पेश तेल खरीद की रसीदों में आरोपी का हस्ताक्षर था। दस्तावेजी साक्ष्यों और बयानों में इतने विरोधाभाष मिले कि अभियोजन अपनी ही कहानी को सिद्ध नहीं कर सका। वहीं, आरोपी के वकील ने कहा कि आरोपी तेल का व्यापार ही नहीं करता। वह अनपढ़ है। अदालत में पेश दस्तावेजों पर सवाल भी उठाया। कहा कि खाद्य विभाग के अधिकारियों ने जांच का नमूना लेने में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। आरोपी की दलीलों और अभियोजन की विफल कहानी के आधार पर अदालत ने आरोपी को बरी कर दिया।

महाकुम्भ के लिए पूरी बस बुक कराने पर दो यात्रियों को मुफ्त यात्रा

प्रयागराज। प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुम्भ के लिए पूरी बस बुक कराने पर दो यात्रियो को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। महाकुम्भ की समाप्ति तक यह सुविधा जारी रहेगी। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर की ओर से आठ जनवरी को इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में बसों की अग्रिम बुकिंग किए जाने पर सुविधा दी जा रही है। इसमें किसी यात्री, ग्राम प्रधान या अन्य द्वारा अपने एक समूह के लिए बुकिंग स्थल से प्रयागराज तक बस बुक कराने पर दो यात्रियों को निशुल्क सफर की सुविधा मिलेगी। बस में यात्रियों की संख्या 50 होनी अनिवार्य है। प्रयागराज से वापसी में भी यह सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसमें परिचालक द्वारा पहले से अंतिम टिकट पांच मिनट के अंदर बुक किए जाएंगे। क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि महाकुम्भ के दूसरे चरण में गाजियाबाद और मेरठ डिपो की बड़ी संख्या में बसें नोएडा डिपो होकर प्रयागराज के लिए रवाना होंगी। ऐसे में नोएडा डिपो से यात्रियों को इसकी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रोत्साहन योजना का प्रचार प्रसार डिपो और बसों में किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को इसकी सुविधा मिल सके।

यूपी बोर्ड के विद्यार्थी रोचक और दिलचस्प तरीके से पढ़ेंगे अंग्रेजी

प्रयागराज। प्रयागराज के आंग्ल भाषा शिक्षण केंद्र ने शिक्षण अंग्रेजी भाषा शिक्षण के लिए कक्षा नौ से 12 तक के लिए चार टीचर्स गाइड बनाई हैं। इनकी मदद से शिक्षक अंग्रेजी भाषा के विभिन्न हिस्सों को सुगमता, नवीनता व दिलचस्पी के साथ विद्यार्थियों को पढ़ा सकेंगे। माध्यमिक स्तर पर अंग्रेजी विषय के शिक्षण में आ रहीं समस्याओं व शिक्षकों ने मांग उठाई थी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा, माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव व आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान के प्राचार्य डॉ. स्कंद शुक्ला के दिशानिर्देशन में इनका निर्माण किया गया है। यूपी बोर्ड ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए एनसीईआरटी की किताबों को शामिल किया है। ये अभी तक पढ़ाई जा रहीं किताबों से एकदम अलग हैं। गाइड के लेखन समूह में असिस्टेंट प्रोफेसर, केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षक, ईएलटीआई प्रयागराज और डायट रामपुर व मुरादाबाद में कार्यरत प्रवक्ता शामिल रहे। गाइड के प्रति शिक्षकों की समक्ष को विकसित करने के उद्देश्य से प्रदेश के प्रत्येक जनपद के अंग्रेजी भाषा के तीन–तीन सहायक अध्यापकों व प्रवक्ताओं के लिए आंग्ल भाषा शिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण भी संचालित किया जा रहा है। लेखन समूह में शामिल डायट रामपुर के प्रवक्ता शावेज लतीफ ने इसे अपने 16 वर्ष के शैक्षिक कॅरिअर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

थिमैटिक लाइटें ही नहीं ल्यूमिनस टावर भी बढ़ा रहे एयरपोर्ट मार्ग की शोभा

प्रयागराज।। हवाई जहाज से आने वाले श्रद्धालुओं को एयरपोर्ट मार्ग खूब लुभाएगा। 84 लाख देवी–देवताओं के प्रतीक 84 खंभों एवं थिमैटिक लाइटों के अलावा आठ ल्यूमिनस टावर भी शोभा बढ़ाएंगे। सभी टावर लग गए हैं। एयरपोर्ट से संगम तक की सड़क को वीवीआईपी परिपथ घोषित किया गया है। इसी के अनुरूप करीब 19 किमी लंबी सड़क पर कहीं अवरोध नहीं होगा। प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था होगी। सर्विस लेन, हरित गलियारा समेत अन्य आकर्षण होंगे। इसके अलावा भी कई अन्य आकर्षण होंगे। इसमें सूबेदारगंज फ्लाईओवर से एयरपोर्ट के बीच सड़क को खास तरीके से सजाया जा रहा है। तीन अलग–अलग मार्ग पर खास तरीके के लैंप पोस्ट लगाए गए हैं। इनके ऊपरी हिस्से पर कलश, त्रिशूल आदि आकृतियां लगाई गई है। इनके अलावा पोल पर थिमैटिक लाइटें लगाई गई हैं। इन्हीं के साथ आठ स्थानों पर ल्यूमिनस टावर लगाए गए है। बालसन चौराहा स्थित तीन ल्यूमिनस टावर लगाए गए हैं। इनकी क्षमता 25 किलोवाट है। वहीं एयरपोर्ट पर लगे ल्यूमिनस टावर की क्षमता 10 किलोवाट है। नगर निगम प्रकाश मार्ग विभाग के मुख्य अभियंता संजय कटियार का कहना है कि एयरपोर्ट से बाहर निकलने के साथ ही पर्यटकों एवं विशेष मेहमानों को थिमैटिक लाइट एवं ल्यूमिनस टावर महाकुंभ नगर में प्रवेश करने का एहसास कराएंगी। एयरपोर्ट मार्ग पर 84 स्तंभ लगाए गए हैं जो मुख्य आकर्षण हैं। खास तरीके इन खंभों पर देवी–देवताओं का आह्वान करने वाले 24 मंत्र भी अंकित हैं। ये मंत्र हैं ऊं शम्भवे नमरू, ऊ विभवे नमरू, ऊं रूद्राय नमरू, स्वयम्भवे नमरू, ऊं शंभ्वराय नमरू, ऊं ईश्वराय नमरू, ऊं ईशानाय नमरू, ऊं सर्वज्ञाय नमरू, ऊं कामदाय नमरू, ऊं अनङ्गनिरू खड्गाय नमरू, ऊं भङ्गनाशनाय नमरू, ऊं त्रिदशाधाराय नमरू, ऊं त्रिलोकेशाय नमरू, ऊं त्रिलोचनाथ नमरू, ऊं त्रिपथाधाराय नमरू, ऊं त्रिमार्गाय नमरू, ऊं त्रिभिरूर्जिताय नमरू, ऊं त्रिपुरारये नमरू, ऊं त्रिधामूर्तये नमरू, ऊं नीलकंठाय नमरू, ऊं श्रीदाय नमरू, ऊं श्रीकण्ठाय नमरू, ऊं धूर्जटये नमरू, ऊं अष्टमूर्तये नमरू, ऊं अनन्तमूर्तये नमरू, ऊं महामूर्तये नमरू, ऊं अनघाय नमरू, ऊं पापहराय नमरू।

ऑक्सीजन लगाकर हरियाणा से कल्पवास करने आए महंत, फेफड़े में दिक्कत के चलते डॉक्टर दे चुके हैं जवाब

प्रयागराज। महाकुंभ की तैयारी को लेकर संगम की रेती पर अखाड़ों के साधु–संतों का आगमन शुरू हो गया है। मेले में कल्पवास करने श्री पंचदशनाम आवाहान अखाड़ा के महंत नागा बाबा इंदर गिरि (53) हरियाणा से ऑक्सीजन लगाकर आए हैं। फेफड़े में दिक्कत होने की वजह से डॉक्टर उन्हें जवाब दे चुके हैं। महंत ने महाकुंभ के बाद गुरु के चरणों में प्राण निकलने की अंतिम इच्छा जाहिर की है। हिसार निवासी नागा बाबा इंदर गिरि बताते हैं कि वर्ष 2021 में अग्नि तपस्या करते समय उनके ऊपर पानी गिर गया था, तबसे फेफड़े में दिक्कत हो गई। छह बार फेफड़े का ऑपरेशन करा चुके हैं, लेकिन फायदा नहीं हुआ। अब तो डॉक्टर भी जवाब दे चुके हैं और हमेशा ऑक्सीजन लगाए रखने की सलाह दी है। वह चार सालों से नाक में ऑक्सीजन पाई लगाकर अपने साथ सिलिंडर लेकर चलते हैं। बाबा इंदर गिरि बताते हैं कि बीमारी के बाद से उनका खानपान बहुत संयमित हो गया है। वह रोटी–दाल और बिना मसाले की हरी सब्जी का सेवन करते हैं और नाश्ते में दलिया खाते हैं। बाबा ने बताया कि वर्ष 1986 में पहली बार हरिद्वार के कुंभ में शामिल हुए थे. उसके बाद से ही वह हर कुंभ में कल्पवास करने आते हैं। बीमारी के बाद से चार सालों से वह चल नहीं पाते हैं। ऐसे में शिष्य ही हर तरह से सेवा करते हैं और जहां जाना होता है, उन्हें उठाकर ले जाते हैं।

हाईकोर्ट ने संभल मस्जिद विवाद मामले में ट्रायल कोर्ट की सुनवाई पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल के चंदौसी की शाही जामा मस्जिद मामले की ट्रायल कोर्ट संभल में चल रही सुनवाई पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। न्यायालय ने केंद्र व राज्य सरकार सहित अन्य पक्षकारों से जवाब मांगते हुए सुनवाई के लिए अगली तिथि 25 नवंबर नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने शाही जामा मस्जिद की इंतजामियां कमेटी की निगरानी याचिका पर दिया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद शाही जामा मस्जिद की ओर से दाखिल याचिका के अनुसार संभल की अदालत में 19 नवंबर 2024 को हरिशंकर जैन व अन्य की ओर से दीवानी मुकदमा दाखिल किया गया था। मुकदमे में शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर को तोड़कर बनाए जाने को दावा किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई करते हुए एडवोकेट कमीशन सर्वे का आदेश दिया। 24 नवंबर को इसी सर्वे को लेकर हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। शाही मस्जिद की ओर ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुनवाई पर रोक लगाने की मांग में याचिका दाखिल की गई। बुधवार को शाही जामा मस्जिद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने दलील दी कि 19 नवंबर 2024 को दीवानी मुकदमा दाखिल किया गया और उस पर तुरंत सुनवाई करते हुए सर्व आदेश दे दिया गया। उसी दिन सर्वे भी शुरू हो गया। वहीं 24 नवंबर को भी सर्वे किया गया जबकि इसके लिए सिविल कोर्ट ने कोई आदेश नहीं दिया था। सर्वे आदेश की आगे की प्रक्रिया पर रोक लगाया जाए और मुकदमा पोषणीय नहीं है रद्द किया जाए। वहीं, हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए दलील दी कि पारित आदेश में कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया है।

इसमें कुछ भी अवैध नहीं है। कोर्ट ने याचिका पर सभी पक्षकारों से चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने और याची से उसके दो सप्ताह बाद प्रत्युत्तर शपथ पत्र दाखिल करने को कहा है।

पत्थर को प्राणवान करने का कौशल भारत में है, महाकुंभ के वैभव का किया बखान

प्रयागराज। सीता के रघुनाथ, लखन के भैया सुख के धाम मिलेंगे, हनुमान के हरि,

जगत के त्राता आठों याम मिलेंगे, रामभद्र शबरी के, केवट के रघुनंदन मिल जाएंगे, चले आओ इस जगह सभी को अपने–अपने राम मिलेंगे... सुना कवि डॉ. कुमार विश्वास ने मंगलवार को कथा का रसपान कराया। मौका था नंदी सेवा संस्थान की ओर से चौथम लाइंस में आयोजित तीन दिवसीय अपने–अपने राम के आगाज का। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता ने कवि कुमार विश्वास का स्वागत किया। कवि ने कहा कि भारतीय पौराणिक की वैज्ञानिकता, तथ्यात्मकता व तर्कशीलता विश्वभर के युवाओं तक पहुंचाना ही अपने–अपने राम का उद्देश्य है। गंगा धरा के पाप तारण के लिए प्रकृति की कोख से उतरी हैं। कुमार विश्वास ने संगम क्षेत्र का भ्रमण किया। वहां की व्यवस्थाओं व सुविधाओं को देख कर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में महाकुंभ दिव्य व भव्य ही नहीं, बल्कि अद्भुत होने जा रहा है। कथा के दौरान कुमार विश्वास ने धर्म निरपेक्षता का राग अलापने वालों और सीएम योगी के वेशभूषा पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य का राजा या मुखिया न तो कर्म निरपेक्ष होना चाहिए और न ही धर्म निरपेक्ष। उसे अपने धर्म की रक्षा करनी होगी।कहा कि पूरे विश्व में भारत ही ऐसा देश है, जिसमें पत्थर को भी प्राणवान करने का कौशल है। कहा कि मूर्तिकार अरुण योगीराज ने तो भगवान राम की मूर्ति बनाई थी। लेकिन, प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रभु श्री राम का विग्रह प्रभु श्री राम में परिवर्तित हो गया। भारत पत्थर में प्राण डालने में लगा है, वहीं पश्चिम प्राण को पत्थर बना रहा है।

चलती कार बनी आग का गोला, बाल-बाल बचे चार युवक

प्रयागराज। डीएसए ग्राउंड रेल पुल के पास मंगलवार रात 10 बजे के करीब चलती कार में अचानक आग लग गई। गनीमत

रही कि आग फैलने से पहले ही इसमें सवार चार युवक बाहर निकल गए। सूचना पर पुलिस व फायरब्रिगेड पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जल चुकी थी। खुल्दाबाद प्रभारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि कार सवार युवक सिविल लाइंस से मिनहाजपुर करेली जा रहे थे। जांच की जा रही है।

जस्टिस शेखर यादव पर महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका खारिज कर दी। कहा कि यह सुनवाई योग्य नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति अताउर रहमान मसूदी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने याची अशोक पांडेय की जनहित याचिका पर दिया। न्यायमूर्ति शेखर यादव पर आरोप है कि बीते दिनों विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक कार्यक्रम में टिप्पणी की थी। इसके विरोध में राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल की पहल पर सदन में उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया। 54 अन्य सांसदों ने भी महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। इसी को खारिज करने की मांग को लेकर याचिका हाईकोर्ट में दाखिल की गई थी।

महाकुंभ में होंगे अयोध्या के श्रीरामलला के दर्शन

प्रयागराज।। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को श्रीरामलला के अलौकिक दर्शन करने का भी सौभाग्य मिलेगा। परेड मैदान में अयोध्या स्थित राम मंदिर के थीम पर दो करोड़ की लागत से 100 वर्गमीटर में भव्य प्रतीकात्मक मंदिर बन रहा है। कोलकाता के 70 कारीगर इसे अंतिम रूप देने के लिए दिन–रात जुटे हैं। मंदिर निर्माण की देखरेख कर आंध्र प्रदेश से आए स्वामीजी ने बताया कि इसे बिल्कुल अयोध्या स्थित राम मंदिर की तरह बनाया जाएगा। इसके लिए आंध्र प्रदेश से 14 ट्रक सामान लाया गया है। मंदिर को बांस, लकड़ी की पटरी, फाइबर और फोम क्राफ्ट की मदद से बनाया जाएगा। करीब 100 पिलर भी लगाए जाएंगे। स्वामीजी ने बताया कि मंदिर को आकर्षक बनाने के लिए 3000 छोटे–छोट रंगीन बल्ब लगाए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि मंदिर बनाने में करीब दो करोड़ खर्च होंगे। 16 जनवरी तक श्रद्धालुओं के लिए मंदिर को खोल दिया जाएगा। मंदिर में रामलला के दर्शन के लिए टिकट की व्यवस्था होगी, जिसका मूल्य अभी निर्धारित नहीं किया गया है।

आधी रात बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों के साथ सघन चेकिंग

प्रयागराज।महाकुम्भ की तैयारियों के मद्देनजर जिला प्रशासन और रेलवे पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। बार–बार मिलने वाले धमकी भरे संदेशों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां कोई भी कोताही नहीं बरत रही हैं। मंगलवार आधी रात को बम निरोधक दस्ते, खोजी कुत्तों और सुरक्षा बलों की टीम ने प्रयागराज के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज अभिषेक यादव के निर्देशन में किया गया। पुलिस उपाधीक्षक प्रेम कुमार थापा और मेला सेक्टर सूबेदारगंज प्रभारी ने बम निरोधक दस्ता, एसटीएफ, पीएसी और डॉग स्क्वॉड के साथ स्टेशन के विभिन्न हिस्सों जैसे प्लेटफॉर्म, यात्री हॉल, सर्कुलेटिंग एरिया, होल्डिंग एरिया और प्रवेशधनिकास द्वार पर सघन तलाशी अभियान चलाया। खोजी कुत्तों की मदद से यात्रियों के सामान, स्टेशन पर मौजूद अन्य वस्तुओं और संदिग्ध स्थानों की जांच की गई। इस दौरान निरीक्षक अरुण कुमार यादव, प्रभारी निरीक्षक अस्थायी थाना जीआरपी सूबेदारगंज, जीआरपी और आरपीएफ के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

जंक्शन समेत चारों स्टेशनों पर पार्सल यातायात पर प्रतिबंध

प्रयागराज।महाकुम्भ मेला के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, नैनी जंक्शन और सूबेदारगंज स्टेशनों पर पार्सल यातायात पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। यह प्रतिबंध 10 जनवरी से एक मार्च तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान इन स्टेशनों से गुजरने वाली और रुकने वाली ट्रेनों में पार्सल की लोडिंग और अनलोडिंग पर रोक होगी। हालांकि, इस प्रतिबंध से बोनाफाइड लगेज, समाचार पत्रध्पत्रिकाएं और पेरिशेबल वस्तुएं (जैसे फल, सब्जियां आदि) मुक्त रहेंगी। इसके अलावा, महाकुम्भ के मुख्य आयोजनों और महत्वपूर्ण दिनों को ध्यान में रखते हुए, समस्त प्रकार के लीज पार्सल यातायात पर भी अलग–अलग तिथियों में प्रतिबंध रहेगा। यह तिथियां इस प्रकार हैं।

महाकुम्भ में अन्न, बर्तन और झोला वितरित करेगा संघ

गंगापार। देश विदेश के श्रद्धालुओं को लुभाने वाले प्रयागराज महाकुम्भ में आरएसएस भी सहयोगी की भूमिका में रहेगा। संगठन की तरफ प्रदूषण मुक्त कुम्भ और कुम्भ में कोई भी श्रद्धालु भूखा न रहे इसके लिए व्यवस्था की जा रही है। घरों से संपर्क कर अन्न, बर्तन और झोला भेजा जा रहा है। प्रयागराज महाकुंभ के शुभारंभ की तिथि अब सप्ताह भर रह गई है। जिसको देखते हुए प्रशासन, धार्मिक व स्वयंसेवी संस्थाएं अपनी अपनी तैयारियों में जुटी हुई हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी महाकुम्भ में सहयोग को तत्पर है। जिला प्रचारक प्रेम सागर, जिला कार्यवाह जगत नारायण, जिला सह संघ चालक बद्री प्रसाद ने बताया कि महाकुम्भ का कोई भी श्रद्धालु भूखा न रहे इस हेतु घर घर जाकर अन्न संग्रह कर वहां भेजा जाएगा। इसके साथ संघ प्रदूषण मुक्त कुम्भ बनाने के संदेश को आगे बढ़ाते हुए फाइबर, प्लास्टिक के गिलास, थाली, झोला के स्थान पर स्टील की गिलास, थाली और कपड़े के झोले को बढ़ावा देगा। जिसके क्रम में आठ हजार थाली और दस हजार झोले की व्यवस्था गंगापार केंद्र पर की जा रही है। जिसे शीघ्र ही महाकुम्भ क्षेत्र के शिविरों में भेजा जाएगा। सेवा के लिए यहां से डेढ़ सौ स्वयंसेवक भी जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी के साथ ही वहां लग रहे नेत्र महाकुम्भ को भी सफल बनाया जाएगा।

सृष्टि राज व आनंद अमित को 'साहित्य मण्डल, नाथद्वारा, राजस्थान' ने किया सम्मानित

सृष्टि राज को गीता देवी काबरा स्मृति बाल श्री सम्मान

आनंद अमित को साहित्य सुधाकर की मानद उपाधि के साथ डॉ0 आर के रामन स्मृति सम्मान

मिर्जापुर। विश्व विख्यात साहित्यिक संस्था श्साहित्य मंडल, नाथद्वारा, राजस्थानश ने प्रति वर्ष आयोजित होने वाले श्री भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह में मिर्जापुर की युवा कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज को गीता देवी काबरा स्मृति बाल श्री सम्मान 2025 प्रदान किया। यह सम्मान सृष्टि राज की पुस्तक श्दर्पण में बचपनश के लिए प्रदान किया गया। इसके पूर्व इस पुस्तक पर सृष्टि राज को बाल साहित्य संवर्धन संस्थान, कानपुर द्वारा भी पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। सृष्टि राज मिर्जापुर के विंध्यवासिनी महाविद्यालय में बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा हैं और निरंतर साहित्य लेखन कर रही हैं। साहित्य मंडल, नाथद्वारा साहित्यिक संस्था ने इसी समारोह में मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार आनंद अमित को साहित्य में विशेष योगदान के लिए साहित्य सुधाकर की मानद उपाधि और डॉ. आर के रामन स्मृति सम्मान से नवाजा। आनंद अमित की छह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। यह बीएसएनएल मिर्जापुर में अवर दूर संचार अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और सृष्टिराज के पिता हैं। साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा के प्रधानमंत्री श्याम देवपुरा ने बताया कि यह संस्था प्रतिवर्ष पूरे देश से चुनकर अनेक साहित्यकारों को सम्मानित करती है लेकिन ऐसा अवसर दुर्लभ है कि पिता–पुत्री एक साथ सम्मानित हों। साहित्य मंडल द्वारा सृष्टि राज व आनंद अमित को सम्मान दिए जाने पर मिर्जापुर के साहित्यकारों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा, प्रसिद्ध नवगीतकार गणेश गंभीर, डॉ. नीरज त्रिपाठी, प्रवीन राठी, प्रसिद्ध संचालक व कवि लल्लू तिवारी, अरविंद अवस्थी, लालब्रत सिंह सुगम, केदारनाथ सविता, डॉ. रमाशंकर शुक्ल, डॉ सुधा सिंह, रमाशंकर सिंह यादव, पूजा यादव, कुलभूषण पाठक, इरफान कुरैशी, सुभाष वर्मा, मिलन प्रजापति, आनंद केसरी, नंदिनी वर्मा, श्रुति जायसवाल, इला जायसवाल आदि ने बधाई दी।

कूटरचित बैनामे को लेकर शिकायत, जांच में जुटा प्रशासन

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बलीपुर कटरा निवासी माताफेर के पुत्र राजेन्द्र ने डीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि कूटरचित अभिलेखों के सहारे एक गांव के आरोपित ने उसकी भूमिधरी का बैनामा करा लिया। पीडित का कहना है कि फर्जी आधार व निवास जैसे कागजात तैयार कर आरोपित ने निबंधन कार्यालय की मिलीभगत से उसकी जमीन का बैनामा कराया है। डीएम ने मामले में एसडीएम को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार का कहना है कि शिकायती पत्र की जांच की जा रही है, दोषियों के खिलाफ जांच के आधार पर कडी कार्रवाई की जाएगी।

मायावती का ऐलान, दिल्ली में बसपा अकेले लड़ेगी चुनाव, करेगी बेहतर प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव अपने बलबूते लड़ेगी और बेहतर प्रदर्शन करेगी। मायावती ने उम्मीद जतायी कि चुनाव आयोग सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ ही साम्प्रदायिकता व अन्य घिनौने प्रचार से चुनाव को दूषित होने से बचाएगा। बसपा अध्यक्ष ने एक्स पर कहा "दिल्ली विधानसभा का आमचुनाव आगामी पांच फरवरी को एक चरण में होगा। चुनाव आयोग द्वारा इस बारे में की गयी घोषणा का स्वागत। बीएसपी यह चुनाव अपनी पूरी तैयारी व दमदारी के साथ अकेले अपने बलबूते पर लड़ रही है। उम्मीद है कि पार्टी इस चुनाव में जरूर बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र की रीढ़ है और बाहुबल व धनबल से दूर रहने वाली गरीबों–मजलूमों की पार्टी बीएसपी आयोग से यह उम्मीद रखती है कि वह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के क्रम में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ ही साम्प्रदायिकता व अन्य घिनौने प्रचार से चुनाव को दूषित होने से बचाएगा।

अखिलेश यादव ने गंगा में ड्रेजर मशीन लगाने पर किया कटाक्ष, कहा, नदियों के बहाव से छेड़छाड़ करना पर्यावरणीय अपराध है

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रयागराज में गंगा नदी से गाद निकालने की कवायद पर कटाक्ष करते हुए बुधवार को कहा कि नदियों के बहाव से छेड़छाड़ करना ''पर्यावरणीय अपराध'' है। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि इस कवायद का मकसद केवल अपने लोगों को ठेका देना और उनके जरिए ''भ्रष्टाचार से पैसा'' कमाना है। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''इतिहास

गवाह रहा है कि नदियां अपने मार्ग को स्वयं बनाकर चलती हैं। ये प्राकृतिक बहाव नदियों की निरंतरता के लिए, अपने आप बनाया हुआ रास्ता होता है। इस भौगोलिक सत्य को स्वीकार करते हुए, नदियों के बहाव से छेड़छाड़ करना पर्यावरणीय अपराध है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''प्रयागराज महाकुम्भ में गंगा जी में 'ड्रेजर मशीन' लगाने का मकसद केवल अपने लोगों को ठेका देना और उनके जरिए भ्रष्टाचार से पैसा कमाना है।'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''नदियां किस जगह आकर मिलेंगी, ये प्रकृति पर छोड़ देना चाहिए, उसके लिए मनमानी करना और जबरदस्ती करके बहाव को बदलना अनुचित भी है और अवांछनीय भी।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा करने से गंगा जी के जल–जीव–जंतु की जैविकी और प्राकृतिक पारिस्थितिक संतुलन पर बुरा असर होगा।''

राजधानी में पहली शूटिंग वर्कशाप का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। ओलंपियन निशानेबाज जितु राय के नेतृत्व में राजधानी में निशानेबाजी की एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। दिनॉक 6 जनवरी से आयोजित शूटिंग कार्यशाला का आयोजन एस0जे0 इण्टरनेशनल स्कूल, सुशांत गोल्फ सिटी के तत्वावधान में टॉप शाट एकेडमी के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में छात्र व अन्य शूटिंग प्रेमी भाग ले रहे है। जिसमें ओलंपियन निशानेबाज जितु राय लोगों को उत्कृष्ट निशानेबाजी के गुर सिखा रहे है। शूटिंग वर्कशाप की जानकारी देते हुए एस0 जे0 इण्टरनेशनल के प्रबन्ध निदेशक कर्नल पी0के0 चौधरी ने बताया कि यह राजधानी में अपने तरह की पहली वर्कशाप है जिसमें विशषज्ञों द्वारा निशानेबाजी खेल के प्रति लोगों को जानकारी दी जा रही है। साथ ही अभ्यास भी कराया जा रहा है। जितु राय जैसे एक्सपर्ट की देख–रेख में राजधानी की प्रतिभायें सामने आ रही हैं।

महाकुंभ सनातन संस्कृति एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करने वाला पर्व - चौ किशन सिंह

मथुरा।श्री कृष्ण जन्म भूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष एवं श्री कृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार दिनेश शर्मा, फलहारी के आवाहन पर संपूर्ण ब्रज में महा कुंभ को लेकर चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत आज मथुरा देहात क्षेत्र में शुरुआत करते हुए जगह–जगह पांच टीमों को रवाना किया गया जिसका शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी किशन सिंह ने निमंत्रण पत्र वितरित कर किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष चौ.किशन सिंह ने कहा की यह महाकुंभ अबकी बार भारतवर्ष को विश्व गुरु बनाने की आधारशीला के रूप में जाना जाएगा। श्री कृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार, हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा ने कहा कि इस महा कुंभ में आयोजित होने वाली धर्म संसद में सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक संत जन श्री कृष्ण जन्मभूमि, लव जिहाद, आतंकवाद, सहित अनेक मुद्दों पर विशेष चर्चा करेंगे। हमें सभी अखाड़ों का आशीर्वाद मिल रहा है। निश्चित ही अब निर्णायक आवाज बुलंद होगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सनातनी गौरव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अब तक के महाकुंभ के आयोजनों से अधिक सुखद एवं सुंदर इंतजाम किए हैं दिव्य शक्ति अखाड़े के महामंत्री एवं धर्म संसद प्रभारी राजेश पाठक ने कहा कि 23 जनवरी की धर्म संसद में अब 2 लाख से अधिक सनातनी हिंदुओं की आने की संभावना है परम कृष्ण भक्त दिनेश शर्मा, के आवाहन पर 20 से अधिक टिम संपूर्ण ब्रजमंडल में दौरा कर निमंत्रण दे रही है हम लगभग 1 लाख से अधिक लोगों से संपर्क कर चुके हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेश कृष्ण शास्त्री, राहुल गौतम, मोहनदास बाबा, राकेश कुमार सिंह, कमलेश चौधरी आदि उपस्थित थे ।

मांधाता के पूरे लाल में लोकपाल की चौपाल लगी

ग्राम की समस्याओ पर चर्चा कर किया समाधान
ग्राम में सतर्कता व निगरानी समिति का हुआ पुनर्गठन
3 फरवरी को ग्राम पंचायत द्वारा होगा पूरे लाल उत्सव

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की अध्यक्षता मे मांधाता ब्लाक के पूरे लाल ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में चौपाल का आयोजन करके ग्राम की समस्याओ को ग्राम सभा सदस्यों की उपस्थित में सुना व समुचित समाधान किया गया। इस अवसर पर ग्राम में मनरेगा योजनाओ की निगरानी हेतु सतर्कता एवं निगरानी समिति का पुनर्गठन किया गया। इस पहल से शिकायत कर्ता भी संतुष्ट रहे और ग्राम की योजनाओ में पूर्ण मनोयोग से सहयोग का संकल्प लिया। चौपाल में मनरेगा योजना में सहयोग व निगरानी हेतु सतर्कता एवं निगरानी समिति का गठन प्रधान की अध्यक्षता में गठन हुआ। जिसमे रवि सिंह, दशरथ शर्मा, प्रमिला देवी, जय सिंह एवं इश्तियाक को जिम्मेदारी दी गई। ग्राम वासियों ने अपने सुझाव देकर कुछ जरूरी कार्यो को कार्ययोजना में सम्मिलित कराया। वहीं आवास के संदर्भ में कुछ छूटे पात्र व्यक्तियों का नाम सूची में जोड़ने की बात की जिस पर सचिव ओम प्रकाश सरोज ने विस्तार से नये नियमो की जानकारी दी तथा आगामी सर्वे के दौरान सभी पात्र व्यक्तियों का नाम सम्मिलित करा के आवास उपलब्ध कराया जायेगा। वहीं ग्राम वासियों ने लोकपाल की उपस्थिति में प्रत्येक माह ग्राम सभा के बैठक की माँग की जिस पर तय हुआ की नियमित रूप से प्रतिमाह बैठक होगी। आगामी 3 फरवरी को ग्राम में पूरे लाल उत्सव का आयोजन करके ग्राम विकास की योजनाओ के बारे जागरूकता पैदा की जायेगी। साथ ही स्वस्थ मनोरंजन हेतु क्षेत्रीय संस्कघतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम के बाद लोकपाल ने ग्राम पंचायत के साथ निर्माणाधीन गौशाला का स्थलीय निरीक्षण किया। सभी का स्वागत सचिव ओम प्रकाश व धन्यवाद ज्ञापन ग्राम प्रधान रमेश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर दुर्गेश तिवारी, अंजनी तिवारी पत्रकार आदि बड़ी संख्या मे ग्राम वासी व मनरेगा कर्मी मौजूद थे।

अर्न्तजनपदीय क्रिकेट टूर्नामेण्ट में कसमापुर इलेवन को मिली विजेता ट्राफी

लालगंज, प्रतापगढ़। जलेशरगंज क्षेत्र के हरनाहर पूरे गोपाल पाण्डेय में हुए अर्न्तजनपदीय क्रिकेट टूर्नामेंट में कसमापुर इलेवन ने रोमांचक मुकाबले में विजेता कप अपने नाम किया। उप विजेता का खिताब हरनाहर इलेवन को मिला। पाण्डेय ब्रदर्स के बैनरतले सात दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट मे जिले के अलावा पडोसी अमेठी तथा रायबरेली व प्रयागराज समेत अठारह टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबले मे भोलानाथ सरस्वती शिशु मंदिर की टीम को तीन विकेट से कसमापुर इलेवन ने आखिरी ओवर में मात दी। विजेता टीम के कैप्टन रमेश पटेल को राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी शिवप्रकाश मिश्र सेनानी एवं जिपंस दिलीप पाण्डेय ने विजेता कप प्रदान किया। वहीं अतिथियों ने उपविजेता हरनाहर इलेवन के कैप्टन रामायण यादव को पुरस्कृत किया। आयोजक समाजसेवी रामप्यारे पाण्डेय ने विजेता टीम को ग्यारह हजार नकद व उप विजेता टीम को इक्यावन सौ रूपये का विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार सौंपा। मुख्य अतिथि शिवप्रकाश मिश्र सेनानी ने कहा कि खेल सदैव भाईचारे की मजबूती का पैगाम हुआ करता है। विशिष्ट अतिथि ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने सामाजिक सदभाव के लिए खेल की महत्वता पर प्रकाश डाला। संयोजक सज्जन पाण्डेय ने अतिथियों व खिलाडियो का स्वागत तथा बबलू पाण्डेय ने आभार जताया। अंपायर की भूमिका में अजय तिवारी सोनू व अवनीश तिवारी सराहे गये। कार्यक्रम का संचालन संजय शुक्ल ने किया। समापन समारोह में प्रधानाचार्य भोला नाथ पाण्डेय, भाजपा नेता बबलू मिश्र, बच्चन पाण्डेय, शिक्षक दिवाकर पाण्डेय, विशाल पाण्डेय ने भी आयोजन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर दीपांशु पाण्डेय, विवेक पाण्डेय, आदर्श पाण्डेय, मोनू पाण्डेय, राजेन्द्र तिवारी, धीरज पाण्डेय, छोटू, भगवान तिवारी, संजय पाण्डेय, राहुल मिश्र, दिनेश सिंह आदि रहे।

एनएसओ के कम विकास दर रहने के अनुमान पर मायावती ने जताई चिंता, जानें क्या कहा

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा चालू वित्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय आय के जताए गए अग्रिम अनुमान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसको लेकर अगर कोई वास्तव में दुखी है तो वह देश के गरीब एवं मेहनतकश समाज के लोग हैं। एनएसओ के चालू वित्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय आय के अग्रिम अनुमान के मुताबिक, देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, विकास दर चार वर्षों में सबसे कम 6.4 प्रतिशत रह सकती है। अखबारों में यह आज प्रमुख खबर है, जिसको लेकर अगर कोई वास्तव में दुखी है तो वह देश के गरीब एवं मेहनतकश समाज के लोग हैं जो अपनी बदहाल जिन्दगी के बावजूद देश के बारे में कुछ भी अहित सुनने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह उन करोड़ों लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए उनके श्अच्छे दिनश के लिए संकीर्ण राजनीति को त्यागकर जन व देशहित की चिन्ताओं पर ध्यान केन्द्रित करे। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय आय का पहला अग्रिम अनुमान जारी करते हुए मंगलवार को कहा कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्त वर्ष 2024–25 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसकी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत थी। अगर ऐसा होता है तो देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2020–21 के बाद सबसे धीमी गति से बढ़ेगी।

दुष्कर्म का आरोपी धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। दुष्कर्म व पास्को एक्ट के आरोपी को सांगीपुर पुलिस ने धर दबोचा। सांगीपुर के दरोगा इन्द्रेश कुमार फोर्स के साथ बुधवार को गश्त पर निकले थे। देउम चौराहा पर चेकिंग के दौरान पुलिस को दुष्कर्म व पास्को एक्ट का वांछित दिख गया। पुलिस टीम ने लालगंज कोतवाली के महिमापुर निवासी भाई लाल वर्मा के पुत्र दीपक वर्मा को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

स्थगन के बावजूद रास्ते के निर्माण का आरोप, कार्रवाई की गुहार

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के हण्डौर के पूरे शुक्लान गांव में पीडित ने कोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद दबंगई से रास्ते के निर्माण का आरोप लगाया है। गांव के राम अनुराग शुक्ला ने डीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि कोर्ट के स्थगन के बावजूद उसकी भूमिधरी से विपक्षी पेड़ काटकर रास्ते का निर्माण कर रहे हैं। मना करने पर आरोपी पीडित को जानलेवा धमकी दिया करते हैं। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस को शिकायती पत्र देने के बावजूद कार्रवाई नही हो रही है। पीड़ित ने डीएम को शिकायती पत्र देकर इंसाफ की गुहार की है।

संक्षिप्त

साहित्यकार के घर लगी आग,फायर टेंडर ने 15 मिनट में काबू पाया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में इंदिरानगर सी सेक्टर निवासी साहित्यकार के घर बुधवार दोपहर शॉट सर्किट से आग लग गई। घटना के वक्त वह पत्नी के साथ लॉन में बैठे थे। स्टोर रूम से धुआं निकलता देख पुलिस और दमकल को सूचना दी। दमकल की गाड़ी ने 15 मिनट में आग पर काबू पाया। साहित्यकार वीरेंद्र यादव ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 12 बजे घर के बाहर पत्नी कुसुम के साथ बैठे थे। तभी स्टोर रूम से धुआं निकलता देखा। कुछ समझते इतनी देर में ही बेड रूम से आग की लपटें निकलने लगी। अंदर आग देखने गए तो सारा सामान जल रहा था। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के दौरान लपट से उनके पीछे के बाल झुलस गए। लॉन में होने से बड़ा हादसा टल गया। साहित्यकार की पत्नी कुसम ने बताया कि आग से स्टोर रूम में रखे सामान के साथ बेड रूम का भी सामान जल गया। दमकल कर्मियों के आने से कुछ सामान जलने से बच गया। घर से धुआं निकलता देख आस–पास के लोग भी घरों से निकल आए। इंदिरा नगर फायर स्टेशन से पहुंची एक गाड़ी ने 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। एफएसओ ने बताया समय से आग बुझने से भारी नुकसान होने से बच गया।

तेज रफ्तार से चल रही बर्फीली हवा, 3 दिन रहेगा कोल्ड डे

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सर्दी का सितम जारी है। बुधवार तड़के लखनऊ का अधिकतम तापमान 7 डिग्री दर्ज किया गया है। अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस बना रहेगा। मंगलवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान में महज 2 डिग्री का अंतर रह गया था। अधिकतम तापमान 13.5 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 6.9 डिग्री कम रहा है। न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री रहा है। यह सामान्य से 3.9 डिग्री अधिक रहा। दिन भर कोल्ड डे की स्थिति बनी रही है। अधिकतम आर्द्रता 95 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 85 फीसदी रही। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 10 जनवरी तक पश्चिमी विक्षोभ के चलते भीषण ठंड होगी। गुरुवार से पूर्वी हवा चलनी शुरू होगी। इससे तापमान में बदलाव होगा। कोहरे और धुंध के चलते यह स्थिति बनी हुई है। अभी दिन भर बादलों की आवाजाही रहेगी। न्यूनतम और अधिकतम तापमान के बीच में मामूली अंतर देखने को मिलेगा।

युवाओं को जबरन किन्नर बना रहा गैंग, कानपुर के अस्पताल में होता है ऑपरेशन, अतर्रा थाना भी मिला हुआ

बांदा, संवाददाता। जनपद में किन्नर गैंग का आतंक बढ़ता जा रहा है। यह गैंग अब तक आधा दर्जन से ज्यादा युवकों को जबरन किन्नर बना चुका है। गैंग द्वारा युवकों पर किए गए अत्याचार का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। पीड़ित युवकों ने पुलिस के पास पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। इस मामले में समाजसेवी संगठनों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। किन्नर गैंग पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वायरल वीडियो में एक युवक को नंगा करके बाल काटे जा रहे हैं और उसकी बर्बरता से पिटाई हो रही है। यह युवक बिसंडा थाना क्षेत्र का निवासी है। युवक ने किन्नर बनने से इनकार किया था। जिसके बाद गैंग ने उसके साथ मारपीट की। इस गैंग का मुख्य सरगना अतर्रा का किन्नर कैटरीना उर्फ धीरू है। गैंग पहले युवकों को लालच देकर अपने जाल में फंसाता है। उन्हें सुनहरे भविष्य के सपने दिखाकर कानपुर ले जाया जाता है, जहां स्वाति हॉस्पिटल में किन्नर गैंग के एजेंट पीयूष द्विवेदी के जरिए ऑपरेशन कर लिंग परिवर्तन कराया जाता है।

अमित लेखनी

अमित ने अमित को अमित बार देखा !
अमित है अमित का ये जीवन का लेखा !
अमित ने अमित को अमित से मिलाया !
अमित से मिला तो अमित खिलखिलाया !
अमित सुख हैं पाए अमित दुःख भुलाए !
अमित भूलकर भी अमित याद आए !
अमित यात्रा की अमित बार ठहरे !
अमित पर लगे भी अमित बार पहरे !
अमित यातनाओ ने कितना ही दंशा !
अमित की अमित बार होती प्रशंशा !
अमित काव्य लिक्खे अमित वाचना की !
अमित लिख मिटाया अमित साधना की !
अमित शब्द बोले अमित बार तोला
अमित गुमशुदा हो अमित को टटोला !
अमित याद में हम अमित बार खोए !
अमित रात जागे अमित दिन हैं सोए !
अमित बार हंसकर अमित बार रोए !
अमित बार आंखों को केवल भिगोए !

/अमित शुक्ल अमित
/8948482222

सम्पादकीय.......

नये वायरस की दस्तक

पिछले दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीन में नया वायरस फैलने की आधी–अधूरी खबरें मिल रही थीं ,सोमवार तक उसी तरह के तीन मामले भारत में भी देखे गए। दो मामले बेंगलूरु में और एक मामला गुजरात में। छोटे बच्चों में फैलने वाले इस वायरस को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी बता रही है कि घबराने की जरूरत नहीं है। यह वायरस दुनिया के कई देशों में पहले से ही मौजूद रहा है। हालांकि, यह कहना मुश्किल है कि चीन में फैल रहा वायरस कितना घातक है। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सलाह दी जा रही है कि सावधान रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं। लोग उसी गाइडलाइन का पालन करें जो कोविड के वक्त 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में जारी की गई थी। दरअसल, चीन में ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी के मामलों में वृद्धि की खबरों ने पूरी दुनिया में चिंता बढ़ाई है। हालांकि, दुनिया के चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सांसों से जुड़ा सामान्य वायरस है, जो सर्दी–जुकाम जैसी बीमारियां पैदा करता है। खासकर बच्चे व बुजुर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन चिंता तब पैदा हो सकती है जब पता चले कि चीन के उत्तरी इलाकों में फैलने वाला वायरस म्यूटेशन से गंभीर बन गया है। हालांकि, चीनी नीति–नियंताओं की दलील रही है कि उत्तरी गोलार्ध में ठंड के मौसम में सांस की नली का संक्रमण आम बात है। फिर भी बताते हैं कोरोना का स्रोत माने जा रहे चीन में इस वायरस को लेकर गंभीरता देखी जा रही है और उसके नियंत्रण के लिये चीन के नेशनल डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्शन संस्थान की देखरेख में विशेष निगरानी सिस्टम बनाया गया है। चीन सरकार ने दिसंबर के तीसरे सप्ताह में उत्तरी प्रांतों में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों के इस वायरस से पीड़ितों की संख्या में वृद्धि के बाद यह कदम उठाया था। हालांकि, एचएमपीवी के स्रोत के बारे में अभी कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। दरअसल, यह संक्रामक बीमारी दुनिया के विभिन्न देशों में किसी न किसी रूप में विद्यमान रही है। जिसमें खांसी व छींक से निकलने वाले थूक के कणों से यह वायरस फैलता है। ऐसे में संक्रमण से बचने के लिये हाथ मिलाने, दूसरों को छूने व गले मिलने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। यदि हम सावधानी न बरतें तो वायरस हमें संक्रमित कर सकता है। कोरोना वायरस से बचाव की ही तरह खांसने –छींकने पर कपड़ा या रूमाल रखने की सलाह दी जाती है। निरंतर कपड़े को बदलने तथा नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने की भी सलाह दी जाती है। जुकाम लगने पर मास्क पहनने तथा घर पर आराम करने की भी सलाह दी जाती है। साथ ही गुनगुना पानी पीने तथा पौष्टिक आहार की सलाह भी दी जाती है। निश्चित रूप से दमा व सांस की अन्य बीमारियों व दूसरे गंभीर रोगों से पीड़ितों के लिये यह वायरस कुछ परेशानी बढ़ा सकता है। लेकिन इसमें अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति कम ही आएगी। चिकित्सक के परामर्श से ही खांसी– बुखार की दवा लेने की सलाह दी जाती है। बहरहाल, चिकित्सा विशेषज्ञ इस वायरस से भयभीत न होने की सलाह लगातार दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस वायरस की खोज इस सदी के पहले ही वर्ष में हुई थी। वायरस का प्रसार चिड़ियाओं के जरिये हुआ था, जो इंसान को संक्रमित कर सकता था। इसकी दशकों से मौजूदगी के चलते लोगों में इसको लेकर एक स्तर तक रोग प्रतिरोधक क्षमता मौजूद है। यह एक सामान्य फ्लू की तरह बताया जा रहा है। हालांकि, इस वायरस के उन्मूलन के लिये कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। इसके विपरीत कोरोना ने इंसान को पहली बार संक्रमित किया था, कालांतर जिसने महामारी का रूप ले लिया था। वैसे दुनिया में चिंता इस वजह से है कि यह वायरस उसी चीन में फिर सामने आया, जहां से कोरोना का वायरस पूरी दुनिया में फैला था। हालांकि, सर्दियों के मौसम में आमतौर पर खांसी–जुकाम के मामले सामने आते हैं, लेकिन फिर भी सावधान रहने की जरूरत है।

शीशा महल बनाम स्वर्ण महल

राजेंद्र शर्मा

जिनके घर खुद शीशे के हों, उन्हें दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फैंकने चाहिए। यह पुरानी कहावत भी, ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के हिसाब से बाकी तमाम चीजों की तरह, उन पर लागू नहीं होती है। वर्ना क्या यह संभव था कि प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली में अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत, केजरीवाल के अपने लिए कथित रूप से शीश महल बनाने पर हमले से करते? बेशक, नरेंद्र मोदी को बखूबी इसका पता है कि हमारे जैसे समाज में, जहां जनता का प्रचंड बहुमत न्यूनतम जीवन सुविधाओं से वंचित जीवन जीने पर मजबूर है, सत्ता में बैठे किसी भी शख्स की लोक छवि इसकी धारणा बनाकर आसानी से बिगाड़ी जा सकती है कि वह अपने ऊपर, अंधाधुंध सार्वजनिक धन उड़ा रहा है। इसे देखते हुए अगर प्रधानमंत्री मोदी, जो हरेक चुनाव को युद्घ की तरह लड़ने में और युद्घ में सब कुछ जायज मानने में विश्वास करते हैं, दिल्ली में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के सर्वोच्च नेता, अरविंद केजरीवाल की छवि इसी पहलू से बिगाड़ने के लिए, उनके अपने लिए शीश महल बनवाने के मिथक का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे थे, तो इसमें हैरानी की बात नहीं है। वास्तव में केजरीवाल के खिलाफ इस हथियार की मारकता, सामान्य से कुछ ज्यादा ही होगी, कम नहीं। इसकी सीधी सी वजह यह है कि केजरीवाल जिस तरह की भ्रष्टाचार विरोधीी जन–भावना की लहर उठाकर और उस पर सवार होकर राजनीति में आए थे, उसे देखते हुए उनकी कथित रूप से झक् सफेद कमीज पर, किसी भी दाग का सामान्य से ज्यादा चमकना स्वाभाविक है। इस सिलसिले में यह याद दिलाना भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि भ्रष्टाचार विरोधी तथा ईमानदारी के धर्मयोद्घा की अपनी भूमिका के दौर के बाद, अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत में भी केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने, जन–भावनाओं को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए, निजी ईमानदारी की बहुत बढ़ी–चढ़ी अपेक्षाएं जगाने वाले वादे किए थे। यहां तक कि उसने सरकार में रहते हुए, सरकारी बंगला, गाड़ी आदि की सुविधाएं नहीं लेने तक के वादे किए थे, जिनसे जाहिर है कि बाद में सत्ता में आने के बाद उसे पीछे हटना पड़ा है। अरविंद केजरीवाल का कथित शीश महल, सबसे बढ़कर अतिरिक्त ईमानदारी की उक्त मुद्राओं से, इस तरह पीछे हटे जाने का ही प्रतीक है। इसमें शक नहीं कि केजरीवाल का कथित शीश महल, अतिरिक्त ईमानदारी की मुद्राओं से पीछे खिसकने के क्रम में, लोकलाज की अनेक मर्यादाओं को उल्टी दिशा में तोड़े जाने का भी उदाहरण है। पर्दों से लेकर तरणताल तथा छत से लटकते झूमरों तक पर दसियों लाख रुपए खर्च किए जाने के जैसे विवरण सामने आए हैं और सामान्य रूप से लोगों से छुपे रहने के बावजूद, दिल्ली सरकार और लेफ्टीनेंट गवर्नर तथा उसकी आका केंद्र सरकार की खींच–तान के बीच से, संदर्भ से कटकर चौंकाने वाली जानकारियों के रूप में सामने आते रहे हैं, उनकी ओर से आसानी से कोई स्वतंत्र प्रेक्षक भी आंखें नहीं मूंद सकता है। मुख्यमंत्री आवास के रिनोवेशन पर पचास करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च का जो आंकड़ा अब तक सामने आया है, चौंकाता जरूर है। इसके बावजूद, इस तथ्य की ओर से आंखें मूंदने के लिए भी प्रधानमंत्री की तरह घोर पक्षपाती होना जरूरी है कि यह सब, मुख्यमंत्री के सरकारी आवास के, सरकारी संसाधनों से ही नहीं, सरकारी एजेंसियों के जरिए भी, रिनोवेशन या पुनर्नवीकरण का मामला है। इस तरह के मामले में कुछ भी ज्यादा छुपा नहीं रह सकता है और इसलिए सार्वजनिक जांच–परख से परे नहीं बना रह सकता है। फिर जो भी, जैसा भी शीश महल बना था, मुख्यमंत्री पद पर रहने तक ही केजरीवाल के लिए था और उसके बाद अगले मुख्यमंत्री के लिए हो जाने वाला था, जैसा कि आगे चलकर मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल के इस्तीफा देने और आतिशी सिंह के मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद हुआ भी। कथित शीश महल के दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास की संस्थागत व्यवस्था होने की इस सच्चाई की याद दिलाना इसलिए जरूरी है कि उच्चपदस्थ अधिकारियों के लिए सरकारी आवास की इस तरह की व्यवस्था, हमारे देश की व्यवस्था में एक नियम है, अपवाद नहीं। अपवाद वह है, जिसका केजरीवाल की पार्टी ने वादा किया था, लेकिन पालन नहीं कर पाएकृसरकारी आवास नहीं लेना। लेकिन, केजरीवाल के शीश महल का ताना देने का कम से कम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई हक नहीं बनता है, जो खुद सरकारी आवास की ऐसी ही सुविधा का उपयोग कर रहे हैं और किसी भी तरह से, उक्त शीश महल से कमतर दर्जे की सुविधा का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। चूंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास के रिनोवेशन के मामले को इतना उछाला जा रहा है, इसका पता लगाना भी दिलचस्प होगा कि क्या पिछले दस साल से ज्यादा में, नरेंद्र मोदी के सरकारी प्रधानमंत्री आवास पर भी कोई रिनोवेशन के काम हुए हैं? और अगर हुए हैं तो उन पर कितना खर्च हुआ था? बेशक, मोदी से संबंधित दूसरी तमाम जानकारियों की तरह, यह जानकारी भी सात पर्दों के पीछे छुपा कर रखी जा रही होगी और उसका बाहर निकलना आसान नहीं होगा। लेकिन, आवास आदि की सरकारी व्यवस्थाओं की थोड़ी भी जानकारी रखने वाले सभी लोग जानते हैं कि दस साल के इस अर्से में प्रधानमंत्री आवास में भी रिनोवेशन का काफी कुछ काम हुआ होगा, जिस पर लाखों में नहीं, करोड़ों रुपए में ही खर्चा हुआ होगा। इसे देखते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह एक ओर अपने चार करोड़ गरीबों के पक्के घर बनवाने, किंतु अपने लिए एक घर नहीं बनाने और दूसरी ओर केजरीवाल के अपने लिए शीश महल बना लेने को आमने–सामने खड़ा करने की कोशिश की है, वह और भी कपटपूर्ण हो जाता है। जैसा कि हमने पीछे कहा, केजरीवाल के सरकारी आवास की तरह, नरेंद्र मोदी को भी सारी सुख–सुविधाओं से लैस सरकारी आवास मिला हुआ है और इस संदर्भ में अपने लिए एक घर नहीं बनवा पाने के मोदी के कथित त्याग की कोई प्रासंगिकता नहीं है। यही नहीं, जहां तक जनता के पैसे की अपने आवास पर फिजूलखर्ची का सवाल है, जो पहली नजर में दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास के रिनोवेशन में हुई लगती है, इससे कम से कम दस गुना ज्यादा खर्चा प्रधानमंत्री के उस प्रस्तावित आवास पर होने जा रहा है, जो नये सेंट्रल विस्टा के हिस्से के तौर पर बनने जा रहा है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जो प्रधानमंत्री मोदी, गरीबों के आवास बनाने की अपनी उपलब्धि का ढोल पीटते हुए, अपना एक घर नहीं बनाने के अपने त्याग की बार–बार याद दिलाते हैं, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार एक अलग प्रधानमंत्री आवास बनवा रहे हैं और तमाम राजनीतिक विरोध को अनदेखा कर के, बनवा रहे हैं। याद रहे कि अब तक के सारे प्रधानमंत्री, अस्थायी आवास व्यवस्थाओं में ही काम चलाते आए थे। जाहिर है कि ये आवास व्यवस्थाएं भी पूरी तरह से उपयुक्त और सारी सुविधाओं से संपन्न रहीं होंगी, फिर भी एक अलग प्रधानमंत्री आवास नहीं थीं। इस माने में नरेंद्र मोदी ही हैं जो प्रधानमंत्री के नाते अपना अलग घर बनवा रहे हैं और 460 करोड़ में बनवा रहे हैं, जिसे सोने का महल भी कहा जा सकता है। पुनः इस संबंध में बहुत कम जानकारियां ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, जिनमें एक जानकारी यह भी है कि यह प्रधानमंत्री महल, विशेष सुरंगों के जरिए प्रधानमंत्री कार्यालय से जुड़ा होगा। ऐसा भी अनुमान है कि इस महल में एटम बम के प्रहार से बचाव मुहैया कराने वाले बंकर भी होंगे, आदि आदि।अपने लिए ऐसा सोने का महल बनाते हुए भी, अगर नरेंद्र मोदी कथित शीश महल का मुद्दा उछाल कर केजरीवाल को जनता की नजरों में बेईमान, लालची आदि साबित करने की कोशिश कर रहे हैं, तो यही माना जाएगा कि मोदी को विश्वास है कि शीशे के घर में बैठकर दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकने की पुरानी सीख, उनके लिए है ही नहीं। कहने की जरूरत नहीं है कि मोदी का यह विश्वास, उनकी इस धारणा पर आधारित है कि कारपोरेटों के धनबल और मीडिया बल के कमोबेश पूर्ण समर्थन के सहारे, वह यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जनता सिर्फ वही देखे जो वह तथा उनके साथी दिखाना चाहते हैं। जनता सिर्फ केजरीवाल का शीश महल देखे, पर मोदी का बनता हुआ स्वर्ण महल नहीं देखे और यह भी नहीं देखे कि नरेंद्र मोदी तो पहले ही शीश महल से महंगे, चांदी के महल में तो रहते ही आए हैं।मोदी राज के रहते हुए भी दिल्ली में दो–दो करारी हारों के बाद, मोदीशाही इस चुनाव में कोई भी दांव उठाकर नहीं रखना चाहती है। चूंकि मोदीशाही के पास उपलब्धियों के रूप में जनता को दिखाने और अपने पक्ष में करने के लिए कुछ है ही नहीं, आम आदमी पार्टी के शासन को भ्रष्ट शासन के रूप में बदनाम करने का दांव, उसकी चुनावी रणनीति का केंद्रीय हिस्सा है। यह खेल सिर्फ प्रधानमंत्री के शीश महल का शोर मचाने तक सीमित नहीं है। वास्तव में इसे एक लंबी योजना के हिस्से के तौर पर अमल में लाया गया है, जिसके महत्वपूर्ण हिस्से के तौर पर कथित शराब घोटाले समेत, भांति–भांति के घोटालों के आरोपों में लपेट कर, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को पिछले कुछ वर्षों में जेल के काफी चक्कर कटवाए गए हैं। यहां तक कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए केजरीवाल को, महीनों तक जेल में बंद रखा गया था और अब भी केजरीवाल समेत आप पार्टी के शीर्ष नेता जमानत पर ही जेल से बाहर आए हैं। इसे मोदीशाही द्वारा सत्ता के दुरुपयोग का क्लासिक मामला कहा जा सकता है। जाहिर है कि मोदीशाही की कोशिश इस सारे खेल के जरिए, आम आदमी पार्टी को उसी के अपने, भ्रष्टाचार–विरोधी के सबसे बड़े हथियार से, जो उसके हाथों में पहले ही काफी भोंथरा हो चुका है, मात देने की है। इसमें शक नहीं कि मोदीशाही की इस रणनीति ने आम आदमी पार्टी की मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं। लेकिन, अंततः वही सवाल कि भ्रष्टाचार के नाम पर मोदीशाही, आम आदमी पार्टी पर जो आरोप लगा रही है, उनसे भ्रष्टाचार से त्रस्त होने के बावजूद, दिल्ली की जनता कितनी कन्विंस होगी? ऐसा लगता है कि अगर कांग्रेस, चुनाव मैदान में अपनी मौजूदगी का भाजपा को फायदा न उठाने देने में कामयाब रहती है, तो भाजपा इस बार भी, एक अंक की सीमा को लांघने के सिवा और किसी बड़ी कामयाबी के लिए तरसती ही रह जाएगी।

प्रियंका पर बिधूड़ी की टिप्पणी

राहुल प्रियंका मोदी जी से तो लड़ लेंगे कांग्रेसियों से कैसे लड़ें!मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी से चंडीगढ़ में भाजपा की चुनावी धांधली बेनकाब

कभी भरी संसद में अल्पसंख्यक समुदाय के एक सांसद दानिश अली (तब बहुजन समाज पार्टी) का अपमान करने वाले भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने यह कहकर अपने ओछेपन का परिचय दिया है कि उनकी पार्टी की दिल्ली में सरकार बनती है तो वे उनके क्षेत्र में प्रियंका गांधी के गालों जैसी सड़कें बनवा देंगे। हालांकि इसके लिये उन्होंने खेद जताने की मुद्रा में अपने शब्द वापस ले लिये। वैसे उन्होंने यह भी जोड़ा कि बरसों पहले लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि वे बिहार की सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसी चिकनी बनाएंगे। ऐसा करने के बावजूद बिधूड़ी का बयान उतनी ही सख्त निंदा के योग्य है जितना कि लालू का। बिधूड़ी को इस आधार पर ऐसी टिप्पणी करने का हक नहीं मिल जाता क्योंकि तब भी संजीदा लोगों ने लालू का भी विरोध किया था। बिधूड़ी को उनकी पार्टी ने कालकाजी से आम आदमी पार्टी की मुख्यमंत्री आतिशी एवं कांग्रेस प्रत्याशी अल्का लांबा के खिलाफ मैदान में उतारा है। वैसे बिधूड़ी के बयान की कांग्रेस ने आलोचना की है। बिधूड़ी के दानिश अली वाले बयान पर भाजपा ने कारण बताओ नोटिस तो जारी किया था लेकिन उन्हें आप की सबसे प्रमुख नेताओं में से एक के खिलाफ चुनावी टिकट देकर साबित कर दिया है कि ऐसे लोग उनके विश्वासपात्र हैं तथा वे पार्टी को जीत दिलाने में सक्षम भी माने जाते हैं। अब सक्षम हैं या नहीं, यह तो बाद में ही पता चलेगा। भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा में ढले ऐसे कई लोग हाल के वर्षों में सामने आये हैंय और वे कोई सामान्य कार्यकर्ता नहीं हैं वरन ऊंचे पदों पर काबिज हैं। फिर वे चाहें पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हों या प्रवेश वर्मा अथवा प्रज्ञा सिंह ठाकुर। ऐसे लोगों को भाजपा का शीर्ष नेतृत्व न सिर्फ प्रश्रय देता आया है बल्कि उन्हें ऊंचे ओहदे भी सौंपता है। कभी किसी कारण से मामला बिगड़ जाये तो अधिक से अधिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह कह देंगे कि श्मैं उन्हें दिल से माफ नहीं कर पाऊंगाश या पार्टी ऐसे तत्वों को श्फ्रिंज ग्रुपश कहकर पीछा छुड़ा लेगी। लोकसभा में बिधूड़ी द्वारा दानिश अली को अपशब्द कहने के बाद भी उन्हें टिकट देना बतलाता है कि भाजपा ने ऐसे लोगों को अपनी ताकत बना रखा है। हालांकि मोदी से इसलिये उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि वे खुद भी महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बातें कर जाते हैं। फिर चाहे वह पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी ममता बैनर्जी को श्दीदी ओ दीदीश कहकर चिढ़ाना हो या मणिपुर में महिलाओँ के साथ हुए दुष्कर्म पर चुप्पी साधना। वैसे यह केवल एक दल की बात नहीं है। भारत के ये ऐसे कुसंस्कार हैं जिन्होंने समाज को परिष्कृत होने से रोके रखा है। समाज की महिला विरोधी मानसिकता का ही प्रतिनिधित्व बिधूड़ी जैसे लोग करते हैं। उन्हें प्रश्रय देना इसलिये भाजपा द्वारा स्वाभाविक है, क्योंकि भाजपा हो या उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अथवा उनके अन्य सहयोगी संगठन– सभी में मूल समानता यही है कि वे पितृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था में भरोसा रखते हैं। एक आधुनिक व प्रगतिशील समाज बनने की प्रक्रिया के रूप में इस बुरी व्यवस्था का जो विरोध होता आया था, उसे भाजपा के शासनकाल में मटियामेट कर दिया गया है। महिलाओं के खिलाफ अपराध सतत बढ़ते जा रहे हैं और मार्के की बात तो यह है कि ऐसा सबसे ज्यादा भाजपा प्रशासित राज्यों में हो रहा है। इसी मानसिकता ने देश भर में एक ऐसा वर्ग खड़ा कर दिया है जो महिलाओं के प्रति असंवेदनशील ही नहीं वरन बेहद क्रूर भी है। सोशल मीडिया पर जायें तो अपनी विरोधी विचारधारा से जुड़ी महिलाओं को लेकर निहायत भद्दी, असभ्य और अश्लील टिप्पणियां पढ़ने–सुनने को मिलेंगी। फिर ये महिलाएं जरूरी नहीं कि केवल सियासी दलों से सम्बद्ध हों। वह नारंगी वस्त्रों में नृत्य करती दीपिका पादुकोण हो सकती हैं या लोकतंत्र की पक्षधर सम्मानित लेखिका अरुंधति राय, किसान आंदोलन का साथ देने वाली स्वरा भास्कर हो अथवा अंधविश्वास के विरूद्ध लिखने वाली गौरी लंकेश, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा या अगर विराट कोहली का बल्ला न चला तो उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा–सभी के साथ यह ट्रोल ब्रिगेड अशिष्ट और बर्बर तरीके से पेश आता है। यह उसी समाज की देन है जिसकी भाषावली में हर दूसरी गाली स्त्री से सम्बन्धित है। औरत के प्रति अपनी कुंठा को वह विचारधारा के समर्थन अथवा विरोध का नाम देकर निकालता है। यह वर्ग, जिसकी नुमाइंदगी बिधूड़ी जैसे लोग करते हैं इसलिये राजनीतिक सफलता अर्जित करते हैं क्योंकि उनका समर्थक और वोटरों का भी एक बड़ा हिस्सा इसी मानसिकता की पैदावार है– जस राजा तस प्रजा। शासकों ने अपने लायक जनता बना ली है और जनता अपनी पसंद के ऐसे लोगों को बार–बार ऊंचे पदों पर आसीन करती है। दुनिया में बहुत सी महिलाएं हैं और भाजपा के पास उनकी सदस्याओं के रूप में बड़ी तादाद में महिलाएं हैं, फिर आखिरकार बिधूड़ी को प्रियंका का ही नाम क्यों याद आया? सम्भवतः इसलिये क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस तथा नेहरू–गांधी परिवार के प्रति जो नफरत का जलजला भाजपा ने खड़ा किया है, उन्हीं संस्कारों के साथ बिधूड़ी (और उनके जैसे करोड़ों) बड़े हुए हैं। ऐसे में यदि वे सभी को छोड़कर उसी प्रियंका को अपमानित करें तो आश्चर्य नहीं, जो तमाम विरोधों के बाद भी देश में लोकप्रिय हो रहे हैं और भाजपा के न चाहते हुए भी वायनाड से सांसद बनकर उसी सदन में बैठ गयी हैं जिसके लिये बिधूड़ी को टिकट नहीं मिला था।

डिजिटल गोपनीयता को सरकार की निगरानी के खतरों से बचाना जरूरी

के. रवींद्रन

भारत सरकार ने डिजिटल गोपनीयता संरक्षण कानून से संबंधित मसौदा नियमों को अधिसूचित किया है। निस्संदेह, यह गोपनीयता कानून सम्बंधी घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण क्षण को रेखांकित करता है। यह कानून, जो नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों को डिजिटल क्षेत्र के अंधेरे कोनों से बचाने के लिए बनाया गया है, सरकारी अतिक्रमण की संभावना के बारे में भी गहरी चिंताएं पैदा करता है। बच्चों को अनुचित ऑनलाइन सामग्री के संपर्क में आने से बचाना और तेजी से डिजिटल होती दुनिया में उनकी भलाई सुनिश्चित करना एक सराहनीय लक्ष्य है, लेकिन इन उपायों को सत्ता में बैठे लोगों द्वारा व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग के जोखिमों के विरुद्ध संतुलित किया जाना चाहिए। पिछले अनुभव इस बात के पर्याप्त सुबूत देते हैं कि अगर इस तरह की शक्ति अनियंत्रित हो जाये तो यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अतिक्रमण कर सकती है और राज्य और उसके नागरिकों के बीच विश्वास को खत्म कर सकती है। दुनिया भर में डिजिटल गोपनीयता कानूनों के सबसे परेशान करने वाले पहलुओं में से एक यह है कि वे अक्सर सरकारों को व्यापक अधिकार देते हैं। ये शक्तियां अक्सर बायोमेट्रिक जानकारी, वित्तीय विवरण और यहां तक कि वास्तविक समय में स्थान ट्रैकिंग सहित संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा के संग्रह और उपयोग तक विस्तारित होती हैं।इन घुसपैठों के लिए दिया गया तर्क आमतौर पर प्रशासनिक दक्षता में सुधार, सार्वजनिक सेवाओं के वितरण को सुव्यवस्थित करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के इर्द–गिर्द घूमता है। उदाहरण के लिए, बायोमेट्रिक डेटा तक पहुंच को सब्सिडी वितरित करने के लिए सटीक पहचान सुनिश्चित करने के साधन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जबकि वित्तीय डेटा को अक्सर सरकारी योजनाओं में धोखाधड़ी को रोकने के लिए आवश्यक बताया जाता है। स्थान डेटा को आपातकालीन प्रतिक्रिया या अपराध की रोकथाम के लिए एक उपकरण के रूप में तैयार किया जाता है। हालांकि इन तर्कों में कुछ दम हो सकता है, लेकिन कड़े सुरक्षा उपायों की अनुपस्थिति दुरुपयोग के लिए उपजाऊ जमीन भी बनाती है, जहां डेटा उपयोग का दायरा और उद्देश्य नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन करने वाले तरीकों से बढ़ सकता है। पर्याप्त जांच और संतुलन के बिना, डिजिटल गोपनीयता कानून सत्तावाद के औजारों में बदल सकते हैं। गोपनीयता केवल एक अमूर्त सिद्धांत नहीं है। यह व्यक्तिगत स्वायत्तता और गरिमा की आधारशिला है। यह सुनिश्चित करता है कि लोग खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकें, जिसके साथ वे चाहें उससे जुड़ सकें और बिना किसी अनावश्यक जांच के डर के गतिविधियों में संलग्न हो सकें। गोपनीयता का ह्रास इन स्वतंत्रताओं को कम करता है, जिससे रचनात्मकता, असहमति और विचारों के खुले आदान–प्रदान पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एक अन्य महत्वपूर्ण विचार आनुपातिकता का सिद्धांत है। व्यक्तिगत डेटा का संग्रह और उपयोग वांछित उद्देश्य के समानुपातिक होना चाहिए। पूरी निगरानी या अंधाधुंध डेटा संग्रह इस सिद्धांत को कमजोर करता है, नागरिकों को बिना किसी स्पष्ट लाभ के अनावश्यक जोखिमों के सामने खड़ा कर देता है। सरकारों को एकत्र किये गये प्रत्येक डेटा बिंदु की आवश्यकता को तभी उचित ठहराना चाहिए, जब यह सुनिश्चित हो कि यह एक विशिष्ट, स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपरिहार्य है। आनुपातिकता सिद्धांत यह भी मांग करता है कि कम दखल देने वाले विकल्पों पर विचार किया जाये और जहां भी संभव हो उन्हें प्राथमिकता दी जाये। जबकि मसौदा नियम बच्चों की सुरक्षा पर जोर देते हैं, एक जनसांख्यिकीय जो ऑनलाइन शोषण के लिए विशिष्ट रूप से असुरक्षित है, गोपनीयता के व्यापक निहितार्थों को अस्पष्ट नहीं रखना चाहिए। बच्चों का डेटा, एक बार एकत्र होने के बाद, उनकी सुरक्षा या भविष्य के अवसरों से समझौता करने वाले तरीकों से दुरुपयोग या गलत कार्यों के लिए संभाला जा सकता है। इसके अलावा, एक समूह को प्राथमिकता देने से सभी नागरिकों की गोपनीयता की रक्षा करने की प्रतिबद्धता कम नहीं होनी चाहिए। एक मजबूत गोपनीयता ढांचा समावेशी होना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि सुरक्षा उपाय समान रूप से और बिना किसी अपवाद के लागू हों। कमजोर गोपनीयता कानूनों से उत्पन्न जोखिम व्यक्ति से आगे बढ़कर व्यापक समाज तक फैल जाते हैं। गोपनीयता के क्षरण से असमानता बढ़ सकती है, क्योंकि हाशिए पर रहने वाले समुदाय अक्सर निगरानी और डेटा के दुरुपयोग का खामियाजा भुगतते हैं। यह संस्थानों में जनता के भरोसे को भी कम कर सकता है, क्योंकि नागरिक इस बात से सावधान हो जाते हैं कि उनकी जानकारी को कैसे संभाला जाता है। लंबे समय में, ऐसा अविश्वास सामाजिक सामंजस्य को नष्ट कर सकता है, साझा चुनौतियों का समाधान करने के सामूहिक प्रयासों में बाधा डाल सकता है।

बोनी कपूर ने पत्नी श्रीदेवी को किया याद, पुरानी तस्वीर शेयर कर लिखा

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने हाल ही में अपनी दिवंगत पत्नी, अभिनेत्री श्रीदेवी को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। बोनी ने 1996 में श्रीदेवी से शादी की थी, लेकिन दुख की बात है कि श्रीदेवी का निधन फरवरी 2018 में हो गया था। बोनी कपूर ने श्रीदेवी की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह एक काले गाउन में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं और उनकी मुस्कान पर किसी का भी दिल आ सकता था। तस्वीर के कैप्शन में बोनी ने लिखा, 'Elegance & Grace of a true Queen। इस पोस्ट ने फैंस को भी इमोशनल कर दिया। कई फैंस ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में जाकर श्रीदेवी को श्रद्धांजलि दी। एक फैन ने लिखा, शानदार, एक परफेक्शन की प्रेरणा, जबकि दूसरे ने कहा, वह एकमात्र महिला सुपरस्टार थीं । एक और फैन ने लिखा, मैं उन्हें बहुत मिस करता हूं!!! वह एक देवी थीं!!!! मैं अक्सर उनकी प्रार्थना करता हूं। हमारी एंजल श्री। भगवान आपको आशीर्वाद दे (sir)। बोनी कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रीदेवी को याद करते हुए बताया कि उनकी पत्नी हमेशा चाहती थीं कि वह अपना वजन कम करें। बोनी ने कहा, ये बीज मेरी पत्नी ने बोए थे। वह हमेशा मुझसे वजन घटाने के लिए कहती थीं। वह खुद भी सेहत के प्रति जागरूक थीं। हम साथ में सैर करने जाते थे और जिम भी जाते थे। उन्होंने आगे बताया, वह हमेशा यह सुनिश्चित करती थीं कि मैं कब और क्या खाऊं। मैंने कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाया। पिछले दो सालों में, जब मैंने खुद को देखा तो मुझे लगा कि मुझे अपना वजन कम करना चाहिए... मेरे बच्चों ने भी मुझे कहा कि मुझे और तेज, पतला और बेहतर दिखना चाहिए। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह जरूरी था। मैं आज 69 साल का हूं, तो अब मैं जवान नहीं रह गया हूं। बोनी ने यह भी कहा, मुझे लगता है कि

> “
> बोनी ने कहा, ये बीज मेरी पत्नी ने बोए थे। वह हमेशा मुझसे वजन घटाने के लिए कहती थीं। वह खुद भी सेहत के प्रति जागरूक थीं। हम साथ में सैर करने जाते थे और जिम भी जाते थे। उन्होंने आगे बताया, वह हमेशा यह सुनिश्चित करती थीं कि मैं कब और क्या खाऊं। मैंने कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाया।

श्री अभी भी मेरे पास हैं, वह अभी भी मेरे आसपास हैं और मुझे मोटिवेट करती हैं, वजन कम करो। डॉक्टर ने भी यही कहा वजन कम करो इससे पहले कि आप ट्रांसप्लांट के बारे में सोचें। अब मैंने कुछ वजन घटाया है और बालों में भी कुछ बदलाव महसूस हुआ है।

खुशी कपूर ने जाह्नवी कपूर और बोनी कपूर के साथ लवयापा रील की शेयर

खुशी कपूर और जुनैद खान अपनी आने वाली रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लवयापा से सिनेमाई डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है।फिल्म की घोषणा के बाद से ही यह चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का टाइटल ट्रैक श्लवयापाश रिलीज किया है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और हर जगह ट्रेंड कर रहा है। खुशी कपूर भी इस उत्साह को साझा कर रही हैं और उन्होंने अपने पिता बोनी कपूर और बहन जाह्नवी कपूर के साथ इस गाने पर एक मजेदार रील पोस्ट की है। रील शेयर करते हुए खुशी ने लिखा, निकला था लव करने पर पापा आ गया। कपूर परिवार की इस प्लेफुल डांस मूव्स ने फैंस का दिल जीत लिया है। इस टाइटल ट्रैक में एनर्जी से भरी बीट्स और ऐसे लिरिक्स हैं जो युवाओं और जेन–जी दर्शकों को खूब भा रहे हैं। इसके जोशीले रिदम ने फिल्म के लिए उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, और फैंस खुशी और जुनैद के ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री को देखने के लिए बेसब्र हैं। लवयापा आधुनिक रोमांस की दुनिया में एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जिसमें अविस्मरणीय परफॉर्मेंस, जीवंत संगीत और शानदार विजुअल्स का संगम है। यह फिल्म प्यार के हर रूप को सेलिब्रेट करती है और हर उम्र के दर्शकों के दिलों को छूने का वादा करती है। लवयापा 2025 की सबसे रोमांचक फिल्मों में से एक होने वाली है। तो 7 फरवरी 2025 को अपने कैलेंडर में मार्क करें और इस जादुई प्रेम यात्रा का हिस्सा बनें!

गोविन्दा की पत्नी सुनीता अहूजा ने पति को लेकर किए बड़े खुलासे, कहा- कोई भी उनकी सलाह नहीं सुनता, वे 90 के दशक में अटके हुए हैं

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा 2025 में बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे अपने पिता की सलाह पर भरोसा करते हैं। इस पर बात करते हुए अभिनेता की पत्नी सुनीता आहूजा ने खुलासा किया कि ''वास्तव में कोई भी उनकी सलाह नहीं सुनता''। सुनीता हाल ही में यूट्यूब चौनल हिंदी रश पर इसी बारे में चर्चा करते हुए दिखाई दीं। उन्होंने कहा, कोई भी गोविंदा की सलाह नहीं सुनता क्योंकि वे 90 के दशक में अटके हुए हैं। मैं 2024 के लिए उपयुक्त सलाह देती हूं। हम उन्हें 90 के दशक से आगे बढ़ने के लिए कहते रहते हैं। गोविंदा की जीवनशैली और निर्देशक डेविड धवन के साथ उनके मशहूर सहयोग के बारे में बात करते हुए, सुइता ने 18 सफल फिल्मों के बाद उनके बीच हुए मतभेदों पर भी बात की। सुनीता ने बाहरी प्रभावों को दोषी ठहराते हुए कहा, ष्उस समय, अभिनेताओं के पास बहुत से 'चमचे' (चापलूस) होते थे जो उनकी साझेदारी को लेकर गलतफहमियाँ और ईर्ष्या पैदा करते थे

> “
> सुनीता हाल ही में यूट्यूब चौनल हिंदी रश पर इसी बारे में चर्चा करते हुए दिखाई दीं। उन्होंने कहा, कोई भी गोविंदा की सलाह नहीं सुनता क्योंकि वे ९० के दशक में अटके हुए हैं। मैं २०२४ के लिए उपयुक्त सलाह देती हूं। हम उन्हें ९० के दशक से आगे बढ़ने के लिए कहते रहते हैं।

जिससे नकारात्मकता पैदा होती थी। ऐसे लोगों के साथ खुद को घेरने से उनकी नकारात्मकता ही बढ़ती है। उन्होंने इस दरार के बीच डेविड धवन का बचाव किया, और कहा कि गोविंदा को दी गई उनकी सलाह व्यावहारिक और उद्योग–केंद्रित थी। सुनीता ने खुलासा किया, ष्डेविड ने कुछ भी गलत नहीं कहा। उन्होंने कहा कि 90 के दशक में, सोलो–हीरो फ़िल्में सफल रहीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आज वे शायद ही सफल हों। उन्होंने कहा, डेविड ने बदलते रुझानों के साथ तालमेल बिठाने का सुझाव दिया, क्योंकि 90 के दशक की सोलो–हीरो फ़िल्में अब शायद ही सफल हों। उन्होंने सेकेंड–लीड भूमिकाओं की भी सिफारिश की, जैसा कि गोविंदा ने बड़े मियाँ छोटे मियाँ में सफलतापूर्वक किया था। सुनीता ने गोविंदा के लोगों की चापलूसी करके उन्हें गुमराह करने के लिए आलोचना की, और कहा, उन्होंने उन्हें यह कहकर उकसाया, 'तुम हीरो हो।' मुझे इस बात से गुस्सा आता है कि इन लोगों ने उनके करियर को किस तरह नुकसान पहुंचाया। गोविंदा और सुनीता 1987 से शादीशुदा हैं और उनके दो बच्चे हैंरू उनकी बेटी टीना आहूजा और बेटा यशवर्धन आहूजा।

करण ने खास शब्दों में पत्नी बिपाशा को विश किया बर्थडे, रोमांटिक होते हुए लिखा–तुम हमेशा हर चीज का सबसे अच्छा..

बॉलीवुड की जानी–मानी और खूबसूरत हसीना बिपाशा बसु का आज बर्थडे ह। 7 जनवरी को एक्ट्रेस अपना 46वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस मौके पर उन्हें फैंस और करीबियों की सोशल मीडिया पर लगातार शुभकामनाएं मिल रही हैं। वहीं, एक्ट्रेस के पति व एक्टर करण सिंह ग्रोवर ने भी अपनी लेडीलव को खास शब्दों में बर्थडे विश किया है। वाइफ बिपाशा के लिए करण का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। करण सिंह ग्रोवर ने अपने इंस्टाग्राम पर बिपाशा की खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "तुम्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं डियर। मैं कामना करता हूं कि तुम्हें अपने जीवन के हर पल में वह सब मिले जो तुम चाहती हो। मैं कामना करता हूं कि भगवान तुम पर खूब प्यार बरसाएं। एक्टर ने आगे लिखा, मैं कामना करता हूं कि भगवान तुम्हें तुम्हारे जीवन के हर पहलू में सफलता के साथ खुशियां दें। तुम जो हो उसके लिए धन्यवाद। तुम हमेशा हर चीज का सबसे अच्छा हिस्सा हो और रहोगी। जन्मदिन मुबारक हो डियर। फैंस एक्टर के इस पोस्ट को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर बिपाशा को जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं। बता दें, बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने साल 2016 में शादी रचाई थी और इसके 6 साल बाद कपल ने अपने पहले बच्चे यानी बेटी का स्वागत किया था। कपल ने नवंबर 2022 में बेटी देवी का स्वागत किया था। पिछले महीने इस जोड़े ने मालदीव में अपनी बेटी का दूसरा जन्मदिन मनाया और फिर मुंबई में एक बर्थडे पार्टी रखी, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल हुए।

कैंसर रोगी सहायता संघ पहुंच बच्चों संग खुशियां बांटती नजर आई उर्फी जावेद, लोगों से किया दान देने का आग्रह

एक्ट्रेस उर्फी जावेद भले ही अपने अतरंगी और बोल्ड फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं और ट्रोल होती रहती हैं, लेकिन वह दिल की एक नेक इंसान हैं। हाल ही में उर्फी ने कैंसर रोगी सहायता संघ पहुंच दौरा किया और कैंसर से जूझ रहे व्यक्तियों की सहायता के लिए दान की बढ़ती जरूरत पर ध्यान दिया। साथ ही लोगों को कैंसर पीड़ितों के लिए दान का आग्रह किया। इस दौरान की उर्फी की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं और फैंस इन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। उर्फी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस दौरे की झलकियां शेयर कीं और कैप्शन में लिखा–इन बच्चों के लिए आप जो कुछ भी करते हैं, उसके लिए धन्यवाद! बच्चों के माता–पिता को बधाई, एक कैंसर रोगी की देखभाल के लिए जो ताकत और प्रयास चाहिए, मैं लोगों से अनुरोध करती हूं कि कृपया /बचंपदकपं को दान करें। अगर आप यह पोस्ट देख रहे हैं। कोई भी राशि बड़ी या छोटी नहीं होती। दयालुता बहुत आगे तक जाती है! इन तस्वीरों में उर्फी बच्चों से मिलती और उनके साथ मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इस दौरान वह उनके और उनके प्रियजनों के साथ तस्वीरें क्लिक कराती नजर आती हैं। बता दें, उर्फी जावेद ने अपने करियर की शुरुआत टीवी इंडस्ट्री से की थी। वह पहले कई छोटे–छोटे टीवी शो में नजर आईं, लेकिन उन्हें असल पहचान 2020 में बड़े भैया की दुल्हनिया शो से मिली, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने मेरी दुर्गाष्, ष्जीजी मांष और ष्पंच बीट 2 जैसे शोज में भी काम किया। हालांकि, अब वह अपने काम से ज्यादा लुक्स को लेकर चर्चा बटोरती हैं।

ठंडे दिनों के लिए एकदम सही है नारियल के स्वाद वाला आरामदायक टमाटर का सूप

सर्दियों के दिनों में हमारा शरीर कुछ गर्म और स्वादिष्ट खाने के लिए तरसता है। ऐसे में मलाईदार और आरामदायक टमाटर और नारियल का सूप आपकी मदद कर सकता है। यह स्वादिष्ट सूप ताजे टमाटर, मलाईदार नारियल के दूध और खास मसालों से बनाया जाता है, जो ठंड के दिनों में आपको अंदर से आरामदायक और संतुष्ट महसूस कराएगा। नीचे इस सूप की रेसिपी दी गई है, तो जल्दी से नीचे स्क्रॉल करें और इसे घर पर ट्राई करें।

टमाटर और नारियल सूप बनाने के लिए सामग्री

2 बड़े चम्मच घी या तेल, 1 छोटा प्याज (कटा हुआ), 2 लहसुन (कटा हुआ), 2 टमाटर (कटे हुए), 1 कप नारियल का दूध, 2 कप पानी, 1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, स्वादानुसार नमक और गार्निश के लिए ताज़ा धनिया

टमाटर और नारियल सूप बनाने की विधि

1. एक पैन में तेल गरम करें और प्याज़ और लहसुन को नरम होने तक भूनें।

2. कटे हुए टमाटर डालें और उन्हें नरम होने तक पकाएं और फिर जीरा, धनिया और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

3. अब इसमें पानी डालें और उबाल आने दें, फिर आंच कम करें और 15 मिनट तक अच्छे से उबालें।

4. अब इसमें नारियल का दूध मिलाएं और 2–3 मिनट तक पकाएं और अंत में धनिया से गार्निश करें और गरमागरम परोसें।

5. आप चाहे तो इस सूप को छलनी से छान सकते हैं या फिर इसका ऐसे ही सेवन कर सकते हैं।

रात की बचीं हुई रोटियों से बनाएं ये 2 स्वदिष्ट रेसिपी, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

हर घर में गेंहू का आटे से रोटियां बनाई जाती है। सब्जी के साथ या फिर चावल के साथ रोटी को खाई जाती है। कितना भी गिनकर रोटी बना लों आखिर में रोटियां बच ही जाती है। आपके घर में ज्यादातर रोटियां बचने से काफी नुकसान होता है। इसके बाद आपको बची हुए रोटी को जानवर को खिलाते हैं या फिर रोटियों को फेंक देते हैं। वैसे आजकल तो गली–मोहल्ले के कुत्ते भी बची हुई रोटी नहीं खाते हैं। इससे बेहतर है कि आप रात की बची हुईं रोटियों से बेहतरीन डिश बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं कि बची हुई रोटी से क्या डिश बना सकते हैं।

रोटी से बनाएं मिनी समोसा

समोसे का मसाला बनाने की विधि

– इसके सबसे पहले आप एक पैन लें उसमें तेल डालकर उसमें जीरा, हरी मिर्च और हींग डालें।

– अब आप हल्दी पाउडर डालकर उबले आलू को मैश करके डाल दें, इसमें मटर मिक्स करें। इसके साथ ही ऊपर से लाल मिर्च और नमक डालें।

– फिर आप स्पैटुला की मदद से सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें।

– व्हाइट और रेड म्योनीज को एक कटोरी में लेकर अच्छी तरह मिक्स करें और इसका आलू के मिश्रण में मिला दें। इस मिश्रण को अच्छे से भूनें और ठंडा होने के लिए रख दें।

बनाने का तरीका

– सबसे पहले आपको रोटी में से त्रिकोण आकार के पीस काटने हैं।

– दूसरी ओर के कटोरी में मैदा में पानी डालकर घोल तैयार करें।

– अब रोटी के कटे हुए पीस पर आपको मयोनीज और सॉस का घोल स्प्रैड करें।

– इसके बाद रोटी के टुकड़ों को कोन का आकार देते हुए उसमें मसाला फिल करें और कॉर्नर्स पर मैदा का घोल लगाते हुए चिपका दें।

– फिर ऊपर की साइड टूथपिक की मदद से बंद कर दें।

– कड़ाही में तेल गर्म करें और इन्हें अच्छे से तल लें।

– रोटी से बनें हुए आपके गर्मागर्म समोसे तैयार है।

रोटी से बनाएं पोहा

– बासी रोटियों को आप हल्का मिक्सी में पीस लें या चाकू या फिर हाथों की मदद से टुकड़े कर लीजिए।

– अब आप सफेद और हरी प्याज, लहसुन और टमाटर लेकर बारीक काट लें। इसके साथ ही हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया काट लें।

– इसके बाद कड़ाही में सरसों का तेल डालें और उसके गर्म हो जाने के बाद राई और हरी मिर्च हींग डालें।

– ऊपर से कटी हुई हरी और सफेद प्याज लहसुन डालकर अच्छे से भून लें।

– प्याज को अच्छे से भुन जाने से उसमें टमाटर डाल दें और ऊपर से नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, सब्जी मसाला डालकर मिक्स करें। हल्का–सा पानी डालकर ढक दें और टमाटर को गलने दें।

– जब टमाटर अच्छे से गल जाएं तो अब इसमें गर्म मसाला, अमचूर पाउडर और चाट मसाला डालें। इसके बाद, आप एक बार मिक्स करें। आखिरी में रोटी के टुकड़ों डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसको आप 5 मिनट के लिए ढक दें और फिर खोलकर अच्छे से भून लें।

– आखिर में गैस बंद कर दें और हरा धनिया से गार्निश करें और यह आपका रोटी वाला पोहा तैयार है।

सर्दियों में हार्ट अटैक से बचे रहेंगे, जरूर दबाएं हाथों का ये प्वाइंट

सर्दी के मौसम में बहुत सारी हैल्थ प्रॉब्लम होने का खतरा बना रहता है। ठंड के इस मौसम में हार्ट अटैक आने का जोखिम भी बहुत बढ़ जाता है। ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है इसलिए इस मौसम में कुछ खास बातों का ख्याल रखना जरूरी रहता है।

अगर आप अभी तक इन बातों का ख्याल नहीं रख रहे तो अब रखना शुरू कर दें।

सर्दी में क्यों बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा?

एक्सपर्ट के अनुसार, सर्दियों मे ठंड के चलते लोग फिजिकल एक्टिविटी कम करते हैं, जिसके कारण बीपी व कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ जाता है और यही हार्ट डिजीज का प्रमुख कारण बनता है। इसी के साथ खाने–पीने से जुड़ी लापरवाही जैसे बहुत ज्यादा फैट्स और कैलोरी वाला खाना दिल को नुकसान पहुंचाता है। प्रोसेस्ड फूड भी दिल को प्रभावित करता है।

स्ट्रेस और डिप्रेशन की समस्या भी सर्दी के मौसम में बढ़ जाती है और ये मानसिक तनाव भी हार्ट डिजीज को बढ़ावा देते हैं। सर्दी के मौसम में खांसी सर्दी जैसी सामान्य बीमारियां भी हार्ट डिजीज को बढ़ा सकती हैं क्योंकि बॉडी में इन्फ्लेमेशन बढ़ने से दिल पर अधिक दबाव पड़ता है इसके कारण भी हार्ट अटैक आ सकता है।

सर्दियों में हार्ट अटैक से बचने के लिए उपाय

ज्यादा ठंड होने पर सुबह जल्दी ना उठें और जल्दी स्नान ना करें। नहाने के लिए गुनगुने गर्म पानी का इस्तेमाल करें। अगर आप बीपी और शुगर के मरीज है तो इस बात का खास ख्याल रखें।

इसी के साथ झटके से एकदम ना उठें। सबसे पहले लेफ्ट साइड करवट लें, फिर उठकर कुछ मिनट बेड पर बैठें।

सुबह के समय 2 से 5 मिनट ताली जरूर बजाए। ताली बजाना एक शक्तिशाली मानसिक और शारीरिक उत्तेजक है क्योंकि ताली बजाने से आपकी ऊर्जा का चक्र एक्टिव हो जाता है जिससे ब्लड सर्कुलेशन भी सही होता है।

ठंड के मौसम में गुड़ का सेवन स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। यह शरीर में गर्माहट बनाए रखता है और इसी के साथ मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन करें।

इसी के साथ सुजोक प्वाइंट को जरूर रोजाना प्रेस करें। यह आपके दिल को हैल्दी रखेगा। यह प्वाइंट आप दोनों हाथों में दबा सकते हैं।

ठंड के मौसम में रात का खाना हल्का खाना चाहिए। साथ ही 7 बजे तक रात का भोजन कर लेना चाहिए। इसे कई बीमारी खास कर पेट और हदय से संबंधित तकलीफों से आप बचते हैं।

शरीर को गर्म रखें। घर का तापमान आरामदायक रखें और ऊनी कपड़े, मोजे और दस्ताने पहनें। सिर को गर्म रखने के लिए टोपी पहनें।

हार्ट पेशेंट हैं तो सर्दी के मौसम मे हैवी एक्सरसाइज ना करें लेकिन हल्की–फुल्की सैर, योग, और स्ट्रेचिंग जैसी एक्टिविटी जरूर करें।

हार्ट अटैक से बचाव का एक अहम रोल आपका संतुलित आहार निभाता है। संतुलित आहार में हरी सब्जियां, फल, और फाइबर युक्त भोजन का सेवन करें। फैटी और ऑयली भोजन खाने से बचें।

ज्यादा नमक खाने से बचें क्योंकि इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

शराब और धूम्रपान को ना कहें। शराब दिल की धड़कन को असामान्य कर सकती है जबकि धूम्रपान से रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं।

याद रखें यह बात

अगर आपका बीपी पहले ही बढ़ता कम होता रहता है या फिर सांस फूलने व छाती में जकड़न की समस्या रहती है तो डाक्टरी चेकअप करवाना ना भूलें। स्वास्थ्य से जुड़ी सलाह या जांच के लिए, किसी पेशेवर डॉक्टर से बात करें।

नजर दोष से बचाएगी कीर्तिमुख मूर्ति, जानें इसके फायदे

हमारे जीवन में कई बार ऐसा होता है कि हम मेहनत करते हैं, लेकिन फिर भी कुछ काम ठीक से नहीं होते। ऐसा तब महसूस होता है जब किसी नेगेटिव एनर्जी या नजर दोष का असर हमारे जीवन पर पड़ता है। इसी वजह से भारतीय संस्कृति में कुछ विशेष उपायों का पालन किया जाता है, जिनसे घर में पॉजिटिव एनेर्जी का वास होता है और नेगेटिव एनर्जी को दूर किया जा सकता है। उन्हीं में से एक महत्वपूर्ण उपाय है कीर्तिमुख मूर्ति।बहुत से लोग अपने घर को नेगेटिव एनर्जी से बचाने और पॉजिटिविटी को लाने के लिए मुख्य द्वार पर बस्ट जैसी मूर्ति लटकाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वास्तु शास्त्र के प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, अपने घर के मुख्य द्वार पर कीर्तिमुख की मूर्ति लटकाने से आपको कई लाभ मिल सकते हैं।

कीर्तिमुख मूर्ति क्या है?

कीर्तिमुख एक प्रकार की मूर्ति होती है जो अक्सर घरों, मंदिरों और शुभ स्थानों पर रखी जाती है। इसका रूप ऐसा होता है कि इसमें एक शेर या घोड़े के मुंह जैसा चेहरा होता है, जो चारों ओर से बाहर की दिशा में खुलता हुआ दिखाई देता है। इसे बुरी नजर, नेगेटिव एनर्जी और अशुभ चीजों से बचने के लिए घरों में रखा जाता है। ष्कीर्तिष् का अर्थ है प्रसिद्धि और ष्मुखष् का अर्थ है मुंह, इसलिए इसे कीर्तिमुख कहा जाता है।

आपको अपने घर में कीर्तिमुख मूर्ति क्यों रखनी चाहिए?

नजर दोष से बचाव

कीर्तिमुख मूर्ति को घर में लगाने से बुरी नजर और नेगेटिव एनर्जी का असर कम होता है। इस मूर्ति का मुंह बाहर की ओर होता है, जिससे यह बुरी ऊर्जा को बाहर की तरफ लौटा देती है और घर में पॉजिटिव एनेर्जी का प्रवाह होता है।

घर में सुख–शांति का वास

इस मूर्ति के प्रभाव से घर में शांति बनी रहती है। परिवार के बीच सुख और समृद्धि का वातावरण होता है, और घर में किसी भी प्रकार की अनहोनी या दुःख–दर्द से बचाव होता है।

धन–संपत्ति में बढ़ोतरी

कुछ लोग मानते हैं कि कीर्तिमुख मूर्ति घर में रखने से घर में आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। यह समृद्धि और खुशहाली की प्रतीक मानी जाती है और इसको घर में रखने से धन की देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

स्वास्थ्य के लाभ

कीर्तिमुख मूर्ति घर में रखने से वातावरण में नेगेटिव एनर्जी का प्रभाव कम होता है, जिससे घर के सभी सदस्यों की सेहत बेहतर रहती है। इससे तनाव और मानसिक विकार भी कम होते हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक लाभ

कीर्तिमुख मूर्ति का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। यह मूर्ति भगवान की कृपा को आकर्षित करने का एक साधन मानी जाती है। इस मूर्ति को पूजा स्थल या घर के मुख्य द्वार पर रखने से भगवान का आशीर्वाद मिलता है और घर में दिव्यता का वास होता है।

कीर्तिमुख मूर्ति रखने के स्थान

मुख्य द्वार पर: यह मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे या प्रवेश द्वार पर लगानी चाहिए। ऐसा करने से घर में प्रवेश करते समय बुरी नजर का प्रभाव नहीं पड़ता और घर में आने वाली हर चीज पॉजिटिव होती है।

पूजा स्थल पर: यदि आपके घर में पूजा स्थल है तो वहां पर भी कीर्तिमुख मूर्ति रखना शुभ माना जाता है। इससे पूजा स्थल पर देवी–देवताओं की कृपा बनी रहती है।

दीवारों पर: कई लोग इसे दीवार पर भी लटकाते हैं, ताकि घर के वातावरण में नकारात्मकता न रहे।

इसलिए, यदि आप अपने घर में शांति और समृद्धि चाहते हैं, तो कीर्तिमुख मूर्ति को घर में जरूर स्थापित करें।

सर्दियों में कहीं खो गई है चेहरे की रंगत, तो इन 3 चीजों को चेहरे पर लगाएं, मिलेगा जबरदस्त निखार

सर्दी के दौरान डार्क स्किन होना आम समस्या है। क्योंकि यह आपकी खूबसूरती पर असर डालते हैं बल्कि आपके कॉन्फिडेंस कम करती है। यदि आपका चेहरा भी सर्दियों में डार्क होता है, तो आप इस तरह से अपनी स्किन को चमकदार बना सकते हैं।

ठंड के मौसम में त्वचा का देखभाल करना बेहद जरुरी है। इस मौसम स्किन ड्राई और डल हो जाती है। इसके अलावा सर्दी में त्वचा की रंग काला पड़ जाता है। जिससे चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ने लगती है। अगर आप स्किन की देखभाल नहीं करेंगे, तो आपकी स्किन डल हो जाएगी। इस मौसम में त्वचा का ध्यान रखना भी काफी जरुरी है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे अपनी त्वचा की रंगत को साफ कर सकते हैं।

सर्दी में डार्क स्किन की समस्या से कैसे बचें

आलू का रस का प्रयोग करें

सर्दियों में त्वचा में कालापन आना एक आम समस्या है। इससे बचने के लिए आपको चेहरे पर आलू का रस लगाना चाहिए। एक आलू लें उसे कद्दूकस करके रस निकाल लें। फिर आप रुई की मदद से आलू के रस को 10 मिनट के लिए लगाकर रखे।

टमाटर का रस

टमाटर का रस चेहरे की रंगत में काफी सुधार लेकर आता है। इसके साथ ही ड्राई स्किन की समस्या भी दूर होती है। सबसे पहले आप टमाटर को कद्दूकस करके इसका रस निकाल लें। फिर टमाटर के रस को उंगलियों की मदद से या रूई से चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाकर रखें। फिर इसको आप साफ पानी से मुंह धो लें। वैसे टमाटर में विटामिन सी पाया जाता है, जो चेहरे की रंगत में मदद करता है।

मुल्तानी मिट्टी लगाएं

सर्दियों में आपका चेहरा काला पड़ गया है, तो आप स्किन के कालेपन को दूर करने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग कर सकते हैं। इसमें एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–एजिंग गुण के साथ एंटीसेप्टिक गुण भी मौजूद होते हैं, जो त्वचा के कालेपन को साफ करने में मदद करता है। इसे लगाने के लिए आपको एक कटोरी में 4 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 2 छोटे चम्मच नींबू का रस, 4 छोटे चम्मच दही और 1 छोटा चम्मच ग्लिसरीन डालकर पेस्ट तैयार करें। फिर इसे आप चेहरे पर आधा घंटे तक लगाएं। इसके बाद चेहरे को गुलाब जल की मदद से साफ करें। पैक को साफ करने के लिए आप गुनगुने पानी से चेहरा धो सकते हैं।

संक्षिप्त

जोमैटो ने 15 मिनट की डिलीवरी पेशकश शुरू की, कस्टमर्स नए टैब के जरिए कर सकते हैं ऑर्डर

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपने ऐप पर नई पेशकश की है। कस्टमर्स के लिए जोमैटो ने अब नया विकल्प उपलब्ध कराया है जिसके जरिए ग्राह मात्र 15 मिनट में डिलीवरी करवा सकते है। इसके साथ ही क्विक डिलीवरी की फिल्ड में जोमैटो ने एंट्री मार ली है। जानकारी के मुताबिक जोमैटो ऐप एक्सपोर सेक्शन में 15 मिनट डिलीवरी टैब दिखता है। इस टैब पर क्लिक करने पर ग्राहकों को वो फूड आइटम्स दिखत् हैं जो तय समय पर डिलीवर हो सकते है। बता दें कि अभी कंपनी ने 15 मिनट में क्विक डिलीवरी ऑप्शन को सभी ऑर्डर पर लागू नहीं किया है। जानकारी के मुताबिक 15 मिनट डिलीवरी ऑप्शन ऑर्डर करने के लिए उपलब्ध सभी रेस्तरां में डिलीवरी स्थान से 1.5 किमी की दूरी के भीतर ही उपलब्ध है। ये स्पष्ट नहीं है कि 15 मिनट का विकल्प देशभर में लागू है या नहीं है।

तेज हुई क्विक डिलीवरी की दौड़

जोमैटो का ये कदम प्रतिद्वंद्वी स्विगी द्वारा 10 मिनट में फूड डिलीवरी ऐप लॉन्च करने के एक महीने के बाद आया है। स्विगी ने बीते महीने ही बोल्ट लॉन्च किया था जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों व कस्बों में विस्तार करने की योजना का जिक्र किया गया था। स्विगी के आधिकारिक बयान की मानें तो बोल्ट को रेस्तरां और क्विक सर्विस रेस्तरां से 10 मिनट में खाना ऑर्डर करने की सुविधा मिलती है। शुरुआत में ये सर्विस देश के छह शहरों बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, नई दिल्ली, मुंबई और पुणे में शुरू हुई थी। इससे पहले दिसंबर में ही कंपनी के किराना ब्रांच ब्लिंकिट ने बिस्ट्रो नाम से नया फूड डिलीवरी ऐप लॉन्च किया था। ये बिस्ट्रो ऐप जेप्टो कैफे ऐप के लॉन्च के बाद शुरू किया गया है। बता दें कि बिस्ट्रो और जेप्टो कैफे का लक्ष्य है कि मात्र 10 मिनट में ही स्नैक्स, फूड और ड्रिंक्स की डिलीवरी की जाए।

महिंद्रा की नजर वाहन कारोबार को नए मॉडलों के साथ वैश्विक स्तर पर बढ़ाने पर

पुणे, एजेंसी। घरेलू बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के तरीकों पर विचार कर रही है। मुंबई स्थित प्रमुख वाहन कंपनी अपने वाहन कारोबार को चरणबद्ध तरीके से वैश्विक स्तर पर बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी की योजना पहले चरण में विभिन्न विदेशी

बाजारों में अपने मौजूदा वितरण माध्यमों का लाभ उठाने की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाहन और कृषि क्षेत्र के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजेश जेजुरिकर ने कहा कि विकासाधीन लाइफस्टाइल पिकअप ट्रक और इलेक्ट्रिक मॉडलों की नई शृंखला जैसे नए उत्पाद कंपनी को नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने में मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि वाहन विनिर्माता की पहले से ही दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मोरक्को और चिली जैसे देशों में स्थापित वितरण नेटवर्क के साथ मजबूत उपस्थिति है। जेजुरिकर ने कहा, "इनमें से बहुत से भौगोलिक क्षेत्र हमारे लिए ऐसे बाजार थे जहां हमने स्कॉर्पियो पिक–अप बेची थी। अब ये बाजार हमें एक्सयूवी700, स्कॉर्पियो एन और एक्सयूवी 3एक्सo जैसे मॉडल पेश करने में सक्षम बना रहे हैं।" उन्होंने कहा कि यह पहला चरण है, जिसमें मौजूदा बाजारों में उन उत्पादों को शामिल किया जाएगा जो वाहन विनिर्माता ने पिछले तीन या चार साल में पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे भाग की शुरुआत वैश्विक लाइफस्टाइल पिक–अप के साथ होगी, जो दाएं और बाएं दोनों तरफ से वाहन चलाने वाले बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगी। जेजुरिकर ने कहा, "इससे नए बाजार खुलेंगे। उदाहरण के लिए, आसियान क्षेत्र एक बड़ा बाजार है, जहां आज हमारी उपस्थिति बिल्कुल भी नहीं है।" साल 2023 में एमएंडएम ने 'ग्लोबल पिक अप' अवधारणा की शुरुआत की, जिसके 2027 में उत्पादन चरण में आने की उम्मीद है।

इंफोसिस के कर्मचारियों के लिए बुरी खबर, कंपनी ने वार्षिक वेतन वृद्धि को चौथी तिमाही तक टाला : रिपोर्ट

भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस लिमिटेड ने कर्मचारियों की वेतन बढ़ोतरी को टाल दिया है। कंपनी ने वार्षिक वेतन वृद्धि को वित्तीय वर्ष 2024–25 की चौथी तिमाही तक टाला है। ये जानकारी मनीकंट्रोल में सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो आमतौर पर वेतन बढ़ोतरी वर्ष की शुरुआत में लागू की जाती है। इसको स्थगित किए जाने का फैसला ये दर्शाता है कि आईटी सेवाओं की वैश्विक मांग में अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं ग्राहक बजट में देरी और व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण ये कदम उठाया गया है। प्रभासाक्षी स्वतंत्र रूप से इस जानकारी की पुष्टि नहीं कर सकता। ये खबर पूरी तरह से मीडिया रिपोर्ट पर आधारित है। जानकारी के मुताबिक इस समय कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी टालने वाली इंफोसिस अकेली प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी नहीं है। इसके अलावा एचसीएलटेक, एलटीआईमाइंडट्री और एलएंडटी कंपनियां भी लागत से निपटने के लिए दूसरी तिमाही के लिए वेतन वृद्धि टाल चुकी है। रिपोर्ट का कहना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संबंधित कुछ टीमें उन कर्मचारियों का वेतन बढ़ा सकती हैं जिन्होंने बेहतरीन रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनियां स्थिति को देखते हुए चुनिंदा वेतन वृद्धि की पेशकश कर सकती है क्योंकि प्रत्येक इकाई के पास ऐसा करने के लिए अलग से बजट होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईटी नौकरी बाजार में स्थिरता से कंपनियों को भरोसा है कि वेतन में बढ़ोतरी रोकने से कर्मचारी इस्तीफा नहीं देंगे। इसकी संभावना नहीं जताई गई है। गौरतलब है कि इससे पहले 17 अक्टूबर को इंफोसिस ने कहा था कि वह चौथी तिमाही में चरणबद्ध तरीके से वेतन वृद्धि करने जा रही है।

चैम्पियन ट्रॉफी: गौतम गंभीर देना चाहेंगे संजू सैमसंग को मौका, टीम इंडिया से राहुल–जडेजा की हो सकती है छुट्टी

अगले महीने से चौंपियंस ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भारत की वनडे टीम के बल्लेबाजी कोर का हिस्सा बने रहने की संभावना है लेकिन कम से कम तीन सीनियर खिलाड़ियों को पत्ता कट सकता है। दरअसल, 50 ओवर के प्रारुप में इन खिलाड़ियों के भविष्य पर बहस हो सकती है। जब चयनकर्ता चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चुनेंगे। केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा का चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में होना तय नहीं है। हालांकि, वे 2023 वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा थे।

सेलिब्रिटीज़ के साथ घटे मज़ेदार और अजीब पल जब वे लाइव थे!

फाइनल के बाद से भारत ने 6 वनडे मैच खेले हैं और शमी और जडेजा को आराम दिया गया था। जबकि राहुल को साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ दोनों द्विपक्षीय सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ उन्हें बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के कारण सीरीज के बीच में ही बाहर कर दिया गया था। ये भी नहीं भूलना चाहिए कि 100 से ज्यादा गेंदों खेलने के बाद उनका धीमा अर्धशतक 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की हार का मुख्य कारण बना था। ऐसा माना जा रहा है कि यशस्वी जायसवाल के पास वनडे टीम में जगह बनाने का बहुत अच्छा मौका है। उनके होने से टॉप चार में बाएं हाथ के बल्लेबाज की जगह पक्की हो जाएगी, लेकिन अगर ऋषभ पंत पहली पसंद के विकेटकीपर हैं तो क्या राहुल को बैकअप के तौर पर रखने का कोई मतलब होगा? अगर राहुल विकेटकीपिंग नहीं करते हैं तो बल्लेबाज के तौर पर उनकी जगह पक्की नहीं है। पीटीआई के अनुसार राहुल के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों में से इशान किशन ने विजय हजारे ट्रॉफी में पर्याप्त रन हीं बनाए हैं, जबकि संजू सैमसन को केरल ने शुरुआती मैचों में नहीं चुना है। अगर टीम चयन में कोच गौतम गंभीर की चली तो व्यक्तिगत तौर पर उनके पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक सैमसन निश्चित तौर पर टीम में जगह बना लेंगे। भारत चौंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा, जिसकी शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से होगी। ऐसा तब हुआ जब टीम ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए मूल मेजबान पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था। जडेजा की व्हाइट बॉल में पहले की तरह बल्लेबाजी नहीं रही है। चयन समिति पर नजर रखने वालों का मानना है कि इस समय अक्षर पटेल को वनडे में ज्यादा प्रभावी माना जा रहा है। वाशिंगटन सुंदर के ऑप स्पिनर के तौर पर खेलने की उम्मीद है, लेकिन कुलदीप यादव की फिटनेस ऐसी चीज है जिस पर चयनकर्ता चिंतित होंगे। कुलदीप पूरी तरह से फिट हैं लेकिन उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी का कोई मैच नहीं खेला है। अगर कुलदीप पूरी तरह से फिट हैं लेकिन उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी का कोई मैच नहीं खेला है। अगर कुलदीप टीम में जगह बनाने में कामयाब नहीं होते हैं तो रवि बिश्नोई या वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह मिल सकती है।

'अगर फिर से भिड़ंत हुई तो मैं कुछ नहीं कहूंगा', बुमराह से पंगा लेकर निराश हैं सैम कोंस्टास

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान जसप्रीत बुमराह से हुई झड़प पर खेद जताते हुए स्वीकार किया है कि वह समय बर्बाद करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन आखिर में बुमराह को सफलता मिली। कोंस्टास ने आखिरी दो टेस्ट में अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी, लेकिन बुमराह और विराट कोहली से उलझने के कारण भी चर्चा में रहे। कोंस्टास और बुमराह के बीच तीखी बहस

ऐसी एक घटना पांचवें टेस्ट के पहले दिन हुई जब कोंस्टास और बुमराह के बीच तीखी बहस हो गई। कोंस्टास ने कोड स्पोर्टस से कहा, श्मुझे प्रतिस्पर्धा करना पसंद है और मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं।श दिन का खेल जब खत्म होने को था तब बुमराह एक और ओवर फेंकना चाहते थे, लेकिन आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने विरोध किया जो समय खपाने की कोशिश में थे । इस कारण से बुमराह और कोंस्टास के बीच बहस हो गई।

कोंस्टास ने घटना को लेकर दिया बयान

दो गेंद बाद बुमराह ने आखिरी गेंद पर उस्मान ख्वाजा का विकेट लिया । इसके बाद उन्होंने कोंस्टास की ओर बढ़कर उसे घूरकर देखा। कोंस्टास ने उस घटना के बारे में लगा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिये सबक था । मैं थोड़ा समय बर्बाद करने की कोशिश कर रहा था ताकि वे एक और ओवर नहीं फेंक सके लेकिन बुमराह को आखिर में कामयाबी मिली।

घटना फिर हुई तो कुछ नहीं कहूंगा

उन्होंने कहा, वह बेहतरीन गेंदबाज है और सीरीज में 32 विकेट लिए। अगर ऐसी कोई घटना फिर होती है तो शायद में कुछ नहीं कहूंगा। कोंस्टास और कोहली के बीच भी सीरीज के दौरान बहस हुई। कोंस्टास ने बाद में कहा कि उस घटना के बाद भी वह अपने बचपन के हीरो कोहली से मिलने गए। उन्होंने कहा, मैंने मैच के बाद उनसे बात की और कहा कि वह मेरे आदर्श हैं और उनके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। जब वह क्रीज पर थे तो मैं सोच रहा था कि वाह, विराट कोहली बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व ही ऐसा है। सारे भारतीय समर्थक उनका नाम पुकारते हैं। यह सपने जैसा था। कोंस्टास ने कहा, वह काफी विनम्र हैं। बहुत ही प्यारे इंसान और उन्होंने मुझे भविष्य के लिए शुभकामना भी दी। मेरा पूरा परिवार विराट से प्यार करता है। मैं बचपन से उन्हें आदर्श मानता आया हूं और वह लीजैंड है।

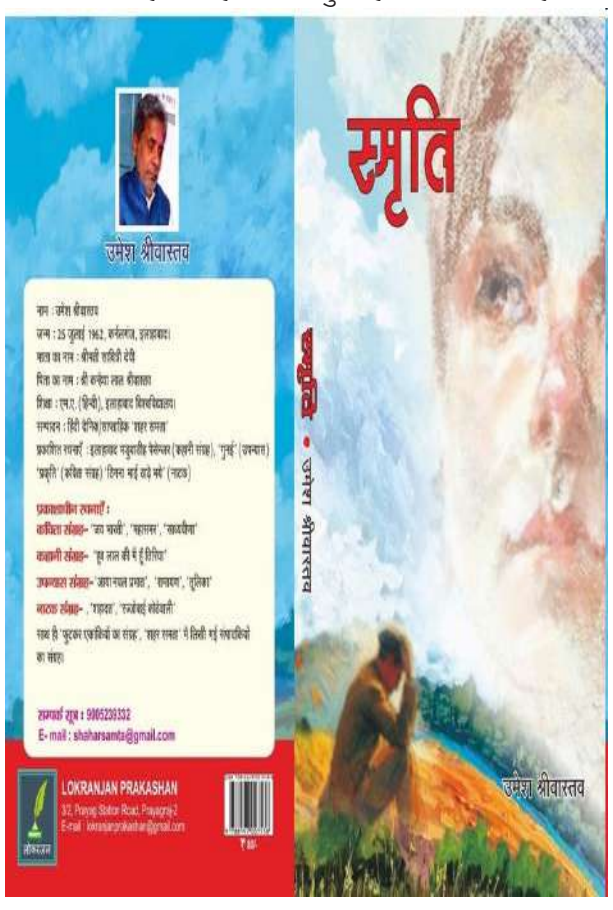

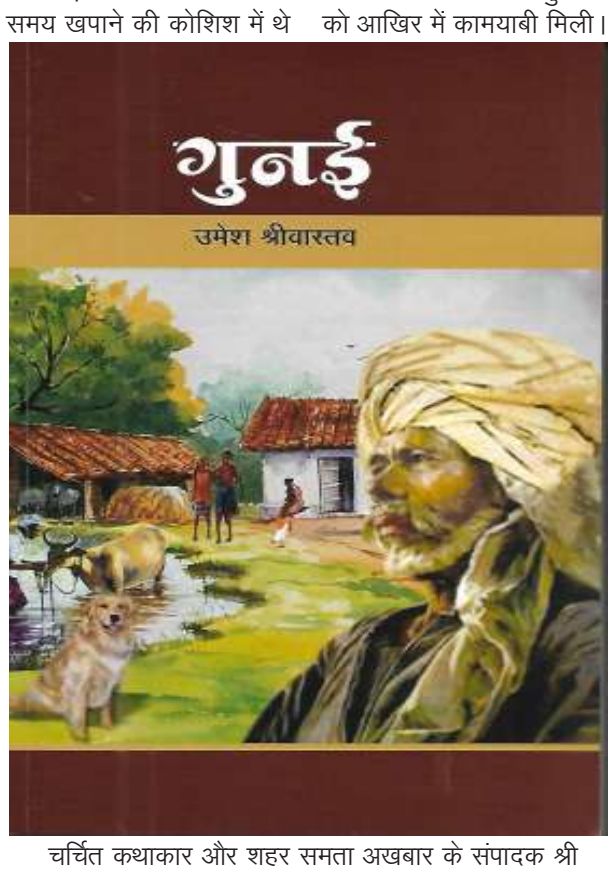

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

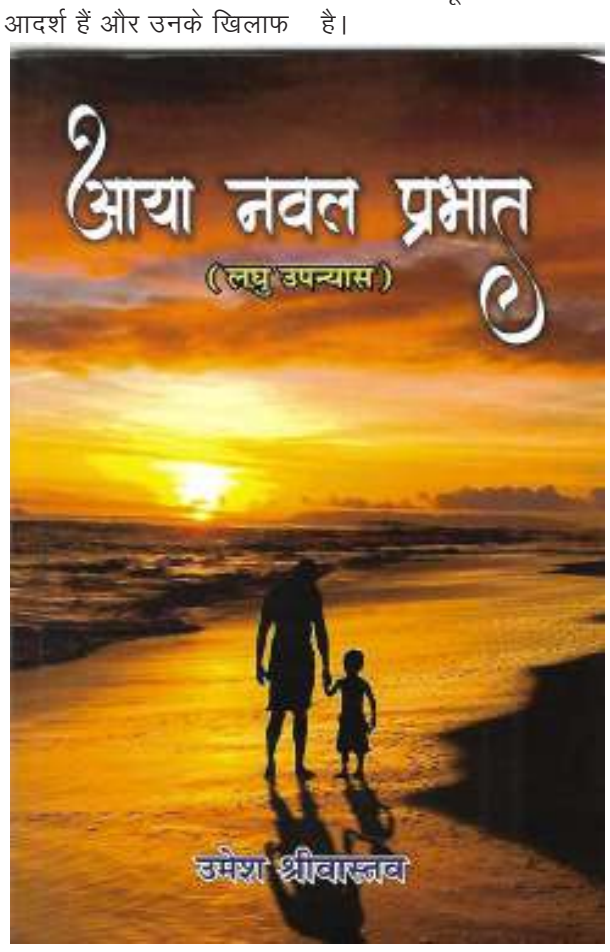

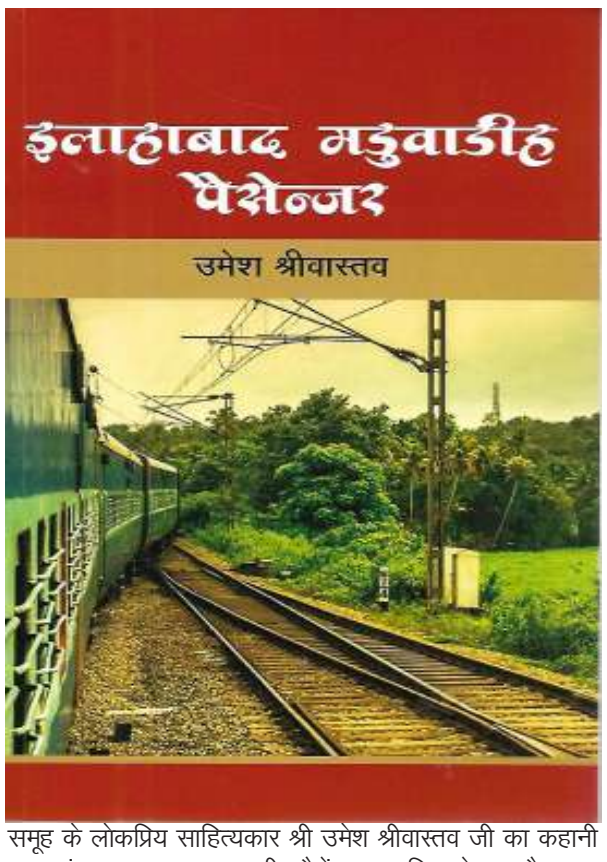

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

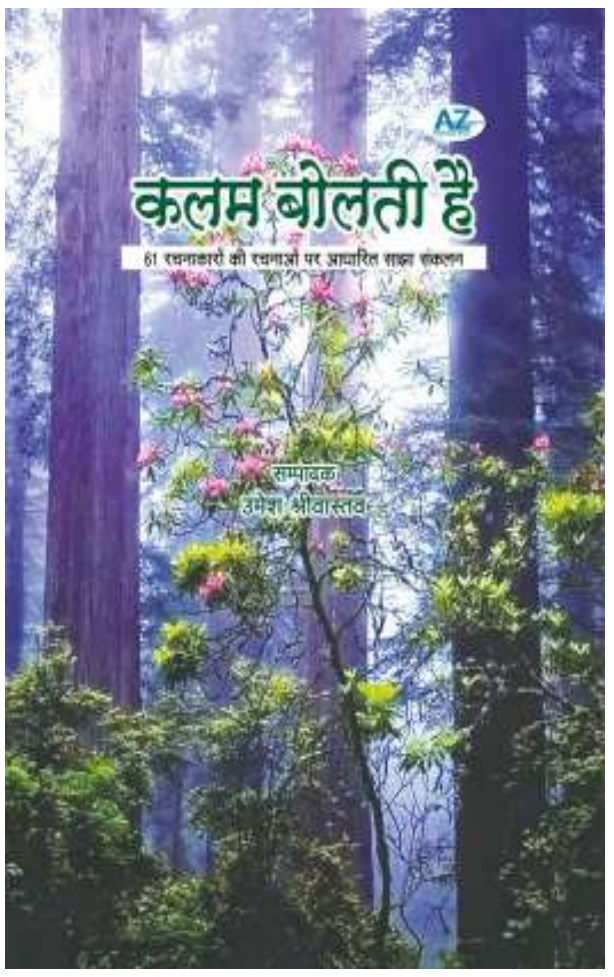

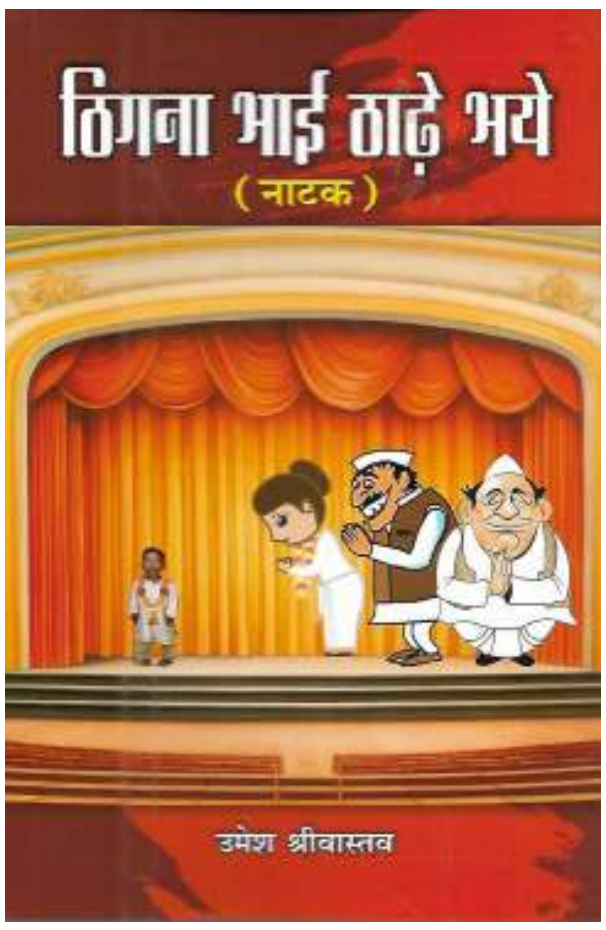

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गल्फ ऑफ मेक्सिको का नाम बदलकर गल्फ ऑफ अमेरिका करेंगे: ट्रंप

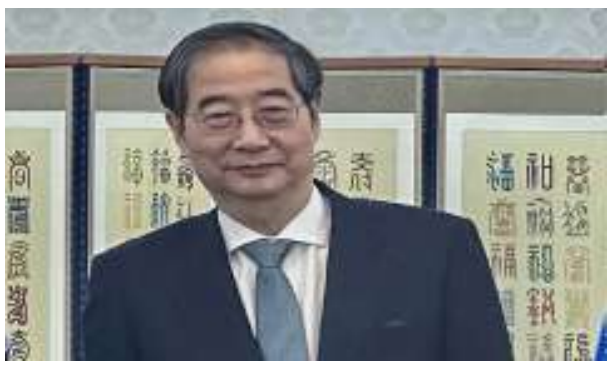

अमेरिका के नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह 'गल्फ ऑफ मेक्सिको' का नाम बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' करेंगे। ट्रंप ने साथ ही कहा कि ऐसा करना उचित है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के मार–ए–लागो में संवाददाताओं से कहा, ''हम 'गल्फ ऑफ मेक्सिको' का नाम

बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' करने जा रहे हैं। 'गल्फ ऑफ अमेरिका' कितना अच्छा नाम है ना।'' ट्रंप ने कहा, ''यही सही है।'' हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बताई। जॉर्जिया से रिपब्लिकन पार्टी की सांसद ने इस कदम का स्वागत किया और कहा कि वह जल्द ही कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में इस संबंध में एक विधेयक पेश करेंगी। कांग्रेस सदस्य मार्जोरी टेलर ग्रीन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शानदार शुरुआत है।

ऑस्ट्रेलिया में एक द्वीप के पास विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन लोगों की मौत, तीन घायल

ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट द्वीप के पास एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो पर्यटकों सहित तीन लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार अपराह्न द्वीप से उड़ान भरने के दौरान विमान 'सेसना 208 कारवां' दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें सात लोग सवार थे। उसने बताया कि महज एक यात्री है जिसे कोई चोट नहीं आई है। 'स्वान रिवर सीप्लेन्स' के स्वामित्व वाला यह विमान रॉटनेस्ट द्वीप से पर्थ लौट रहा था। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया राज्य के प्रमुख रोजर कुक ने बताया कि मृतकों में स्विट्जरलैंड की 65 वर्षीय पर्यटक (महिला), डेनमार्क का 60 वर्षीय पर्यटक (पुरुष) और पर्थ का एक निवासी शामिल है। यह व्यक्ति विमान का पायलट था। कुक ने कहा कि दुर्घटना की वजह का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया राज्य के पुलिस कमिश्नर कर्नल ब्लांच ने बताया कि घायलों को गंभीर चोट नहीं आई है। इस दुर्घटना की जांच कर रहे 'ऑस्ट्रेलियन ट्रांसपोर्ट सेफ्टी ब्यूरो' (एटीएसबी) ने कहा कि विशेष अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने इन घटना को ''भयावह'' बताया।

सिंध प्रांत में अतिक्रमण हटाने का अभियान हुआ हिंसक, अधिकारियों–भीड़ के बीच झड़प, 12 पुलिसकर्मी घायल

सिंध, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अतिक्रमण हटाने का अभियान हिंसक हो गया। इस दौरान अधिकारियों और भीड़ के बीच झड़प हो गई, जिसमें 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह झड़प मंगलवार को हैदराबाद शहर के कसीमाबाद में हुई। एक सिंचाई चौनल को बहाल करने और भूमि पर 24 फुट चौड़ी सड़क बनाने के लिए अतिक्रमण और संरचनाओं को हटाने के लिए पुलिस एक मजबूत बैकअप के साथ मौके पर पहुंचे। उन्हें वहां स्थानीय लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों पर पथराव किया, जिसमें कुछ सरकारी वाहनों के शीशे टूट गए। जब कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की और आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसके कारण कई नागरिक घायल हो गए। हैदराबाद के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) जैनुल आबिदीन मेमन ने कहा, पिछले दिन की झड़प के बाद बुधवार को भी अभियान जारी था। इस अभियान का नेतृत्व सिंचाई विभाग कर रहा है। मेमन ने बताया कि कासिमाबाद सहायक आयुक्त के सर्वेक्षण के अनुसार क्षेत्र में 350–400 अतिक्रमित संरचनाएं मौजूद थीं। हालांकि, स्थानीय लोगों ने अपनी एक अलग कहानी बताई। लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने निर्मित संरचनाओं को 10 लाख रुपये से अधिक में खरीदा है। उन्होंने बताया कि उनके पास बिल भी है। एक व्यक्ति ने दावा किया कि कई लोग यहां 2010 से ही रह रहे हैं। झड़पों के बाद अधिकारियों ने अतिक्रमित भूमि पर सेना सुरक्षा बढ़ा दी है और क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति भी काट दी है।

जिमी कार्टर का पार्थिव शरीर यूएस कैपिटल पहुंचा, राजकीय सम्मान के साथ दफनाने की प्रक्रिया शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का पार्थिव शरीर देश की राजधानी वॉशिंगटन पहुंच चुका है। जिमी कार्टर के पार्थिव शरीर को पूरे राजकीय सम्मान के साथ यूएस कैपिटल में दफनाया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपति को दफनाने की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो जाएगी। जिमी कार्टर का 100 वर्ष की आयु में बीती 29 दिसंबर को निधन हो गया था। उसके बाद उनका पार्थिव शरीर अटलांटा स्थित कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में रखा हुआ था। मंगलवार सुबह पूर्व राष्ट्रपति की पार्थिव देह को विशेष विमान से डोबिन्स एयर रिजर्व बेस से मैरीलैंड में ज्वाइंट बेस एंड्रयूज बेस लाया गया। इसके बाद विशेष काफिले से पार्थिव देह को राजधानी वॉशिंगटन लाया गया। अब यूएस कैपिटल में पूर्व राष्ट्रपति की पार्थिव देह को दफनाया जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

दक्षिण कोरिया की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी को राष्ट्रपति यून को हिरासत में लेने के लिए नया वारंट मिला

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की भ्रष्टाचार–निरोधक एजेंसी ने कहा है कि उसे महाभियोग के जरिये अपनी शक्ति खो चुके राष्ट्रपति यून सुक येओल को हिरासत में लेने के लिए न्यायालय से नया वारंट मिल गया है। 'राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा' ने पिछले सप्ताह यून को हिरासत में लेने के एजेंसी के प्रयास पर पानी फेर दिया था। उच्च पदस्थ अधिकारियों से संबंधित भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने मंगलवार को तुरंत इस बात की पुष्टि नहीं की कि वारंट कितने समय तक वैध रहेगा। सीआईओ ने राष्ट्रपति के तीन दिसंबर के अल्पकालिक मार्शल लॉ का आदेश जारी करने जैसे बगावत के आरोपों को लेकर यून से पूछताछ की योजना बनाई है। सांसदों के यह पूछने पर कि वारंट की अवधि कब समाप्त होगी, एजेंसी के मुख्य अभियोजक ओह डोंग–वून ने उत्तर देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी संवेदनशील होती है, क्योंकि एजेंसी और पुलिस संबंधित वारंट पर अमल करने के तरीकों पर विचार कर रही है। हिरासत वारंट आमतौर पर सात दिनों की होती है लेकिन इसे 10 दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता है। सियोल पश्चिमी जिला अदालत ने पिछले सप्ताह के शुरू में यून को हिरासत में लेने के लिए वारंट जारी किया था और उनके आवास की तलाशी के लिए एक अलग वारंट जारी किया था, क्योंकि उन्होंने तीन दिसंबर के 'मार्शल लॉ' आदेश पर पूछताछ के लिए उपस्थित होने से इनकार करके अधिकारियों के आदेश की अवहेलना की थी। भ्रष्टाचार–निरोधक एजेंसी के लगभग 150 जांचकर्ताओं और सहायक पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यून को हिरासत में

लेने का प्रयास किया, लेकिन 'राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा' के साथ पांच घंटे से अधिक समय तक चले तनावपूर्ण गतिरोध के बाद वे सियोल में उनके निवास से वापस चले गए। जांचकर्ताओं ने सोमवार को पिछले वारंट की अवधि समाप्त होने से पहले यून को हिरासत में लेने का कोई और प्रयास नहीं किया। भ्रष्टाचार–निरोधक एजेंसी और पुलिस ने यून को हिरासत में लेने के लिए और अधिक बलपूर्वक प्रयास करने का संकल्प लिया है। हालांकि यह तब तक एक जटिल प्रक्रिया हो सकती है जब तक वह (यून) अपने आधिकारिक निवास में रहते हैं। पुलिस और सेना के साथ संयुक्त जांच का नेतृत्व कर रही भ्रष्टाचार–निरोधक एजेंसी यून के खिलाफ उन बगावतों के आरोपों की जांच कर रही है जिसके तहत उन्होंने मार्शल लॉ घोषित किया और संसद को घेरने के लिए सैनिकों को रवाना कर दिया। नाकेबंदी को पार करने में कामयाब रहे सांसदों ने कुछ घंटों बाद यून द्वारा जारी मार्शल लॉ के खिलाफ मतदान किया। संसद द्वारा चौदह दिसंबर को उन पर महाभियोग चलाने के लिए मतदान करने के बाद यून की राष्ट्रपति शक्तियों को निलंबित कर दिया गया। संवैधानिक न्यायालय ने इस बात पर विचार–विमर्श शुरू कर दिया है कि यून को औपचारिक रूप से पद से हटाया जाए या उन्हें बहाल किया जाए। अगर जांचकर्ता यून को हिरासत में लेने में कामयाब हो जाते हैं, तो वे औपचारिक गिरफ्तारी करने की अनुमति के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे अन्यथा उन्हें (यून को) 48 घंटे बाद रिहा कर दिया जाएगा। ओह ने सांसदों को बताया कि एजेंसी पुलिस के साथ इस बात पर विचार–विमर्श कर रही है कि अगर राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के सदस्य यून को हिरासत में लेने के प्रयासों में बलपूर्वक बाधा डालते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाए या नहीं। पुलिस ने कहा है कि वह यून को हिरासत में लेने के लिए सभी उपलब्ध विकल्पों पर विचार कर रही है और उसने सार्वजनिक रूप से एसडब्ल्यूएटी टीम को तैनात करने की संभावना से इनकार नहीं किया है। राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के प्रमुख पार्क जोंग–जून ने आलोचना का जवाब दिया है कि यह यून की निजी सेना बन गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राष्ट्रपति की सुरक्षा करना उनका कानूनी दायित्व है। यून के वकीलों ने दलील दी कि राष्ट्रपति के खिलाफ हिरासत और तलाशी वारंट को उनके (यून के) निवास पर तामिल नहीं किया जा सकता है।

यूनुस सरकार के प्रत्यर्पण की मांग पर भारत का तगड़ा फैसला

शेख हसीना का पासपोर्ट रद्द होने के बाद भी वीजा के समय सीमा को बढ़ा दिया

भारत ने बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का वीजा बढ़ा दिया है, जो पिछले साल अगस्त से देश में रह रही हैं। यह कदम बांग्लादेश में अंतरिम सरकार की ओर से उसके प्रत्यर्पण की बढ़ती मांग की पृष्ठभूमि में उठाया गया है। हालांकि, सूत्रों ने छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच 5 अगस्त को ढाका से भाग गईं हसीना को शरण दिए जाने के दावों का खंडन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में शरण देने के लिए विशिष्ट कानून का अभाव है और इस बात पर जोर दिया कि उनके वीजा विस्तार को शरण देने की दिशा में एक कदम के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। एक सूत्र ने कहा कि यह पूरी तरह से उनके रहने की सुविधा के लिए एक तकनीकी विस्तार है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि हसीना दिल्ली के एक सुरक्षित घर में कड़ी सुरक्षा के बीच रह रही हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 23 दिसंबर को औपचारिक रूप से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की। ढाका में अधिकारियों ने दावा किया कि हसीना को 2024 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और गायब होने की घटनाओं में उनकी कथित संलिप्तता से संबंधित आरोपों का सामना करना होगा, जिसमें 500 से अधिक लोग मारे गए थे। बांग्लादेश के आव्रजन विभाग ने हसीना सहित 97 पासपोर्ट रद्द करने की घोषणा की। यूनुस के प्रवक्ता अबुल कलाम आज़ाद मजूमदार ने कहा कि यह 2024 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान जबरन गायब करने और हत्याओं के आरोपों से जुड़ा है। मजूमदार ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि जबरन गायब करने में शामिल होने के कारण 22 व्यक्तियों के पासपोर्ट रद्द कर दिए गए, जबकि शेख हसीना सहित 75 अन्य को जुलाई में हुई हत्याओं में फंसाया गया। भारत अब खुद को नाजुक स्थिति में पाता है। हालांकि शेख हसीना के लंबे समय तक रहने से द्विपक्षीय संबंधों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है, लेकिन बांग्लादेश की प्रत्यर्पण मांग ने स्थिति को जटिल बना दिया है। प्रत्यर्पण अनुरोध ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार विपक्षी नेताओं के साथ अपने व्यवहार को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही है। आलोचकों ने तर्क दिया है कि हसीना का पासपोर्ट रद्द करना और उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अगले आम चुनावों से पहले सत्ता को मजबूत करने के लिए राजनीति से प्रेरित प्रयास थे।

शिज़ांग क्षेत्र में फिर आया तेज भूकंप का झटका, तिब्बत में आयी त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 126 हुई

तिब्बत में भूकंप। बुधवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4 तीव्रता का एक और भूकंप तिब्बत में आया। जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 06:58 बजे (प्ज) आया और इसका केंद्र शिज़ांग में था। यह भूकंप 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आया है, जिसमें 126 लोग मारे गए और तिब्बत में भारी तबाही हुई। भूकंप का केंद्र सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके पड़ोसी नेपाल में भी महसूस किए गए, जहां रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता करीब 4.2 दर्ज की गई।

शिगाज़े पूर्वोत्तर नेपाल में खुंबू हिमालयन रेंज में लोबुत्से से 90 किलोमीटर उत्तर–पूर्व में स्थित है, और यह तिब्बत का आखिरी सीमावर्ती शहर है जो सिक्किम को छूने वाले नेपाल–तिब्बत–भारतीय त्रि–जंक्शन से ज्यादा दूर नहीं है। शिगाज़े, जिसे शिगास्टे भी कहा जाता है, दलाई लामा के बाद दूसरे सबसे प्रभावशाली बौद्ध भिक्षु पंचेन लामा का निवास स्थान है। भीषण भूकंप में 100 से ज़्यादा लोगों की मौत

इससे पहले मंगलवार को दक्षिणी तिब्बत के सबसे पवित्र शहरों में से एक के पास भीषण भूकंप आया, जिसमें कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई और 188 लोग घायल हो गए। भूकंप के झटकों के कारण नेपाल और भारत के कई हिस्सों में भी लोग सड़कों पर निकल आए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (ब्म्छब्) ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा (न्ैळै) ने इसे 7.1 तीव्रता बताया। भूकंप दक्षिण–पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (ज।त) के डिंगरी काउंटी में सुबह 9रू05 बजे (बीजिंग समय) आया, जिसका केंद्र शिगाज़े शहर के डिंगरी काउंटी के त्सोगो टाउनशिप में था।

तिब्बती पठार भूकंप के प्रति संवेदनशील है

चीन ने माउंट एवरेस्ट के अपने क्षेत्र के पास के पर्यटन स्थलों को बंद करने की घोषणा की है, जबकि क्षेत्र में कई रिसॉर्ट्स के पर्यटक और कर्मचारी सुरक्षित बताए गए हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रभावित क्षेत्रों में बचाव प्रयासों को पूरी तरह से चलाने का आदेश दिया और द्वितीयक आपदाओं को रोकने, प्रभावित निवासियों को उचित रूप से पुनर्वासित करने और बाद के काम को प्रभावी ढंग से संभालने के प्रयासों का आग्रह किया।

फिजिक्स नहीं बल्कि गणित में महारथ हासिल करना चाहते थे स्टीफन हॉकिंग

21 साल की उम्र में हो गए थे लाइलाज बीमारी से पीड़ित

स्टीफन हॉकिंग का नाम आज की दुनिया में शायद की कोई हो जिसने नहीं सुना हो। वे किसी परिचय के मोहताज नहीं है। हॉकिंग ने व्हीलचेयर पर होने के बावजूद भी अपनी काबिलियत से दुनिया को गर्व करने के कई अवसर दिए है। अपनी शारीरिक परेशानियों से लड़ इन्होंने हर वो चीज को हासिल किया है। लोग जिसकी सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं। उन्होंने ऐसी कई खोजें की है, जो नामुमकिन लगती थी। स्टीफन विलियम हॉकिंग ने दुनिया को अपने कई शोधों से बार बार चौंकाया। वे इतने हिम्मत वाले थे कि डॉक्टरों द्वारा जिंदगी के दो साल बताए जाने के बाद उन्होंने अपनी मौत को कई बार धोखा दिया।

स्टीफन का जन्म 8 जनवरी 1942 को इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड में हुआ था। बचपन से मेधावी स्टीफन ने सोच लिया था कि वह अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनना चाहते थे। उन्होंने 20 वर्ष की आयु में कैंब्रिज कॉस्मोलॉजी विषय को शोध के लिए चुना और इस विषय पर पीएचडी भी की।

कैसा था हॉकिंग का शुरुआती जीवन और शिक्षा

दुनिया के महान वैज्ञानिकों में से एक स्टीफन हॉकिंग का जन्म 8 जनवरी 1942 में इंग्लैंड में हुआ था। स्टीफन हॉकिंग के पिता के पिता का नाम फ्रेंक और उनकी माता का नाम इसोबेल था। जब हॉकिंग का जन्म हुआ था तब इनके पिता एक चिकित्सा शोधकर्ता थे और इनकी माता चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में एक सचिव थीं। स्टीफन जब आठ साल के थे तब उनके परिवार सेंट अल्बान में रहने लगे और यहां के ही एक स्कूल में उनके पिता ने स्टीफन का एडमिशन करा दिया। अपनी स्कूली पढ़ाई करने के बाद स्टीफन ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिया और भौतिक विषय का अध्ययन किया। ऐसा कहा जाता है कि गणित में स्टीफन को बेहद दिलचस्पी थी और वे मैथ्स विषय से ही आगे पढ़ना चाहते थे। लेकिन उस समय ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में गणित विषय नहीं था, इसीलिए उन्होंने फिजिक्स को चुना और फिजिक्स में प्रथम श्रेणी में डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से अपनी आगे की शिक्षा ग्रहण की और साल 1962 में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ एप्लाइड मैथेमैटिक्स एंड थ्योरिटिकल फिजिकल (डीएएमटीपी) में ब्रह्माण्ड विज्ञान पर रिसर्च किया। शिक्षा के दम पर ही स्टीफन हॉकिंग ने इतनी ख्याति हासिल की। स्टीफन हॉकिंग का साल 1963 में उनका स्वास्थ्य खराब होने लगा, जब उनकी आयु महज 21 साल की थी। उनकी बिगड़ती हालत को देख कर स्टीफन के पिता उन्हें अस्पताल ले गए और उनकी जांच कराई। तब यह पता चला कि स्टीफन हॉकिंग को एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस नाम की बीमारी है। इस बीमारी में शरीर के हिस्से धीरे–धीरे काम करना बंद कर देते है और इस बीमारी से छुटकारा पाने का कोई इलाज नहीं है। उन दिनों स्टीफन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई कर रहे थे। लेकिन उन्होंने अपने सपनों के बीच अपनी इस बीमारी को आड़े नहीं आने दिया और अपनी पढ़ाई को पूरा किया। इसके बाद साल 1965 में उन्होंने अपनी पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। पीएचडी में इनके थीसिस का टॉपिक था,'प्रॉपर्टीज ऑफ एक्सपांडिंग यूनिवर्स'।

दिवंगत वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग का करियर

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से स्टीफन हॉकिंग ने अपनी पढ़ाई पूरी की और बाद में इसी कॉलेज में एक शोधकर्ता के रूप में काम करने लगे। इन्होंने साल 1972 में डीएएमटीपी में एक सहायक शोधकर्ता के तौर पर अपनी सेवाएं दी। इसी दौरान स्टीफन ने पहली अकादमिक पुस्तक 'द लाज स्केल स्ट्रक्चर ऑफ स्पेस–टाइम' लिखी थी। साल 1974 में इनको रॉयल सोसायटी में शामिल किया गया। फिर 1977 में स्टीफन हॉकिंग ने गुरुत्वाकर्षण भौतिकी के प्रोफेसर के तौर पर काम किया। उसके बाद सन 1979 में उनकी नियुक्ति कैम्ब्रिज में गणित के लुकासियन प्रोफेसर के पद पर हुई। जिसे दुनिया के सर्वोच्च पदों में से एक माना जाता है। जहां स्टीफन हाकिंग ने 2006 तक काम किया।

प्रमुख रिसर्च

सिंगुलैरिटी का सिद्धांत

आइंस्टीन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत ने सिंगुलैरिटी के बारे में बताया,कि समय और स्पेस में किसी भी भारी पिंड के कारण जो झोल पड़ता है, वहीं गुरुत्वाकर्षण कहलाता है। हॉकिंग की शोध के दौरान पता लगा, दरअसल बिग–बैंग ब्लैक होल का उलटा पतन ही है।

'अगर गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा नहीं किया गया तो कहर टूटेगा' : ट्रंप की हमास को चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को अगर उनके शपथ ग्रहण तक रिहा नहीं किया गया तो पश्चिम एशिया पर कहर टूटेगा। ट्रंप ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि यदि बंधक बनाए गए लोगों को रिहा नहीं किया गया तो वह क्या कार्रवाई करेंगे। हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला करके बड़ी संख्या में लोगों को बंधक बना लिया था। अधिकारियों का कहना है कि अब भी लगभग 100 लोग हमास के कब्जे हैं जिनमें कुछ अमेरिकी नागरिक भी हैं। अधिकारियों का यह भी मानना घ्है कि बंधक बनाए गए लोगों में से कई की अब तक मौत हो गई होगी। ट्रंप ने फ्लोरिडा के मार–ए–लागो में संवाददाताओं से कहा, ''अगर बंधक वापस नहीं आए तो सब कुछ बिगड़ जाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।